mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-344 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

15 दिसंबर 2024 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

मुझे भारतीय टीम...
@ पेज 7

प्रयागराज में जूना अखाड़े की निकली पेशवाई, महाकुंभ में हुआ प्रवेश

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का आयोजन किया जा रहा है। 13 जनवरी को महाकुंभ की शुरुआत हो जाएगी। इस कड़ी में प्रयागराज मे लगने वाले विश्व के सबसे बड़े

● प्रयागराज मे लगने वाले विश्व के सबसे बड़े मेले कुम्भ 2025 का आगाज

मेले कुम्भ 2025 का आगाज आज से जूना अखाड़े की पेशवाई के साथ हो गया है। आज जूना अखाड़े की पेशवाई पूरी शक्ति और वैभव के साथ निकली। मौज गिरी आश्रम से निकली पेशवाई मे हजारों साधु संतो के साथ बड़ी संख्या मे नागा साधु भी शामिल हुए। नगाओं ने पूरे रास्ते अपने युद्ध कौशल का जलवा भी दिखाया और पूरे रास्ते तलवार और लठी भांजी। पेशवाई मे जूना अखाड़े के सभी महामंडलेश्वर रथ पर सवार होकर पेशवाई मे चलते रहे।

बता दें कि पेशवाई मे शामिल सभी बड़े संत महाकुम्भ को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि ये एक ऐसी अवधि है, जिसमें सभी लोग एक स्थान पर रहकर प्रभु की अर्चना करते हैं। बता दें कि कुंभ से पहले 13 अखाड़े अलग-अलग तिथियों मे कुंभ में लगी अपनी छावनी ने प्रवेश करते हैं। उसके बाद से वो शाही स्नान तक कुंभ के शिविर में ही रहते हैं। सबसे बड़ा अखाडा होने के नाते जूना अखाडा सबसे पहले छावनी में प्रवेश करता है, जिसकी पेशवाई आज निकाली गई। इसी तरह अलग-अलग अखाड़े पेशवाई निकाल कर अपनी छावनी में प्रवेश करेंगे।

बता दें कि आज जूना अखाड़े की पेशवाई गाजे-बाजे और डमरू के साथ निकाली गई। पेशवाई की भव्यता कुछ इस तरह रही कि कई किलोमीटर तक लोग देखने के लिए सड़क पर जमे रहे। जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़ा भी पेशवाई में शामिल रहा। किन्नर अखाड़े की साध्वी भी जूना अखाड़े के साधुओं के साथ पेशवाई में शामिल होकर कुंभ में आज प्रवेश कर गईं। कुंभ को लेकर किन्नर अखाड़े की साध्वी भी काफी उत्साहित हैं। बता दें कि महाकुंभ को लेकर प्रयागराज में युद्धस्तर पर तैयारियां जारी हैं। 13 जनवरी से महाकुंभ 2025 की शुरुआत हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ChatGPT पर सवाल उठाने वाले भारतीय रिसर्चर की मौत

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। चैटजीपीटी डेवलप करने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी OpenAI के पूर्व रिसर्चर सुचिर बालाजी को उनके फ्लैट में मृत पाया गया है। OpenAI पर सवाल खड़े करने वाले बालाजी की मौत के बारे में सैन फ्रांसिस्को पुलिस को 26 नवंबर जानकारी मिली थी। पुलिस का कहना है कि सुचिर ने आत्महत्या की थी। सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग के प्रवक्ता रॉबर्ट रुएका के मुताबिक, प्रारंभिक जांच के दौरान सुचिर की मौत में किसी साजिश का कोई सबूत नहीं मिला है। नीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बालाजी बहुत समय से अपने घर से नहीं निकले थे। दोस्तों और सहकर्मियों के फोन कॉल का जवाब भी नहीं दे रहे थे। सुचिर के दोस्त और सहकर्मी जब उनके फ्लैट पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद पाया। मामले की जानकारी सैन फ्रांसिस्को पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई तो बालाजी का शव मिला।

चैटजीपीटी के डेवलपमेंट में बड़ी भूमिका निभाने वाले बालाजी दुनिया की नजरों में तब आए थे जब उन्होंने OpenAI पर कई आरोप लगाए थे। इसी साल अक्टूबर में, बालाजी ने आरोप लगाया था कि OpenAI कॉपीराइट कानून का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने द न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ एक इंटरव्यू में कहा था कि चैटजीपीटी जैसी तकनीकें इंटरनेट को नुकसान पहुंचा रही हैं। अक्टूबर में एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, बालाजी ने एआई के उचित उपयोग और जनरेटिव के बारे में भी लिखा था।

दक्षिण कोरिया की संसद में राष्ट्रपति यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल ने संसद में अपने खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के पारित होने पर शनिवार को कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगे। राष्ट्रपति ने अपने कार्यालय के माध्यम से यह बयान जारी किया है। यून ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल की राह में इसे अस्थायी विराम करार देते हुए अधिकारियों से सरकार के क्रियाकलाप में स्थिरता बरकरार रखने का आह्वान किया। महाभियोग प्रस्ताव पर संसद (नेशनल असेंबली) में मतदान हुआ, जिसके समर्थन में 204 जबकि विरोध में 85 वोट पड़े।

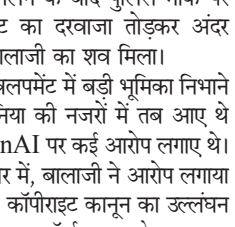

संसदीय वोट राष्ट्रपति के रूप में उनकी शक्तियों को निलंबित करता है, उन्हें संवैधानिक न्यायालय के फैसले का इंतजार है जो यह तय करेगा कि उनको औपचारिक रूप से पद से हटाया जाए या नहीं। यून ने तीन दिसंबर को देश में मार्शल लॉ लागू करने का आदेश दिया था, जिसके कारण देश में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई थी। अधिकारी उनपर लगे विद्रोह के आरोपों की जांच कर रहे हैं। अदालत के पास यह तय करने के लिए 180 दिन का समय है कि यून को राष्ट्रपति पद से हटाया जाए या नहीं। अगर उन्हें पद से हटा दिया जाता है, तो 60 दिन में आम चुनाव कराने होंगे।

यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर संसद में दूसरी बार मतदान हुआ है। पिछले शनिवार को सत्तारूढ़ दल के अधिकतर सांसदों ने मतदान का बहिष्कार किया था, जिसके चलते यून को कुछ राहत मिली थी। सत्तारूढ़ पीपुल पावर पार्टी के कुछ सांसदों ने तब कहा था कि वो दूसरी बार होने वाले मतदान में भाग लेंगे।

वक्फ की जायदाद छीनने की कोशिश हो रही है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में संविधान के 75 साल पूरे होने पर संसद में चर्चा हो रही है। संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। इस बीच संविधान पर चर्चा के दौरान आज पीएम नरेंद्र मोदी लोकसभा में विपक्ष के आरोपों का जवाब देंगे। पीएम मोदी से पहले राहुल गांधी ने लोकसभा में केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस बीच एआईएमआईएम के मुखिया व लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी केंद्र सरकार पर खूब निशाना साधा। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों के मस्जिद अब खतरें में हैं। इस दौरान वक्फ और मुसलमानों को लेकर उन्होंने केंद्र सरकार पर खूब निशाना साधा। असदुद्दीन ने लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि वक्फ का ताल्लुक संविधान से नहीं है। आर्टिकल 26 पढ़ लीजिए। आप अपनी ताकत की बुनियाद पर इसे छीनना चाहते हैं। उर्दू को खत्म कर दिया गया। कल्चर की बात आप इनसे पूछ लीजिए। भाजपा का कल्चरल रिवोल्यूशन हिंदुत्व का है। उन्होंने कहा कि दिसंबर वक्फ की जायदाद छीनने की कोशिश की जा रही है। मुसलमान चुनाव जीत नहीं पा रहे हैं। मुस्लिम बेटियों को हिजाब पहनने से रोका जा रहा है। मस्जिदें अब खतरे में आ गई हैं और गौरक्षक हत्या कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि वक्फ की जायदाद छीनने की कोशिश की जा रही है। डिलिमिटेशन में सच्चर कमेटी की रिपोर्ट को माना जाए।

'संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा

राहुल गांधी ने संसद में सरकार पर जमकर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज लोकसभा में 26 मिनट तक भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैंने पिछले भाषण में अभय मुद्रा की बात की। राहुल गांधी ने मनुस्मृति और संविधान की प्रति रखी और कहा कि सावरकर चाहते थे कि मनुस्मृति भारत के संविधान की जगह ले। आज मनुस्मृति ही संविधान है।

राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाया कि जिस तरह एकलव्य का अंगूठा काटा गया, उसी तरह से आज सरकार देश के युवाओं का अंगूठा काट रही है। उन्होंने कहा कि आज भारत में एक वैचारिक लड़ाई चल रही है और विपक्ष की तरफ संविधान के विचारों के संरक्षक हैं। राहुल गांधी ने द्रोणाचर्य और एकलव्य की गाथा का उल्लेख करते हुए कहा कि जैसे एकलव्य का अंगूठा काटा गया, उसी तरह सरकार पूरे देश आप पूरे देश का युवाओं का अंगूठा काट रही है। राहुल गांधी ने कहा, ''जब आप एक उद्योगपति को धारावी परियोजना देते हो, बंदरगाह और एयरपोर्ट देते हैं तो आप हिंदुस्तान का अंगूठा काटते हैं।'' राहुल गांधी ने दावा किया कि विनायक दामोदर सावरकर ने संविधान के बारे में कहा था कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। कांग्रेस नेता ने सत्तापक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''जब आप संविधान की रक्षा की बात करते हैं तो आप सावरकर को कमतर और अपमानित करते हैं।'' राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं हाथरस गया था। हाथरस में चार साल पहले एक लड़की का बलात्कार होता है। मैं दो-तीन दिन पहले उसके घर गया। जिन्होंने गैंग रेप किया वो बाहर घूम रहे हैं, अपराधी बाहर घूम रहे हैं, बेटी का अंतिम संस्कार नहीं करने दिया और ष्टरू ने खुलकर इसपर झूठ बोला। उन्होंने कहा कि यह संविधान में कहा लिखा है? यह आपकी किताब में मनुस्मृति में लिखा है, सविधान में तो नहीं लिखा। जहां आप जाते हो नफरत फैलाते हो।

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री चुने गए फ्रांस्वा बायरू

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को फ्रांस्वा बायरू को देश के प्रधानमंत्री के रूप में नामित कर दिया। बता दें कि फ्रांस के दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों ने पिछले हफ्ते ऐतिहासिक अविश्वास प्रस्ताव पर एक साथ मिलकर वोटिंग की थी, जिसके कारण प्रधानमंत्री

माइकल बार्नियर और उनके कैबिनेट के सदस्यों को इस्तीफा देना पड़ा था। मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन में महत्वपूर्ण साझेदार 73 साल के बायरू दशकों से फ्रांस की सियासत में अहम स्थान रखते रहे हैं। उनके सियासी अनुभव को देश में स्थिरता बहाल करने की कोशिशों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि नेशनल असेंबली में किसी भी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिला है।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाकर फ्रॉड करने वाले 6 शातिर गिरफ्तार

नोएडा के थाना सेक्टर 39 पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली

नाएडा (एजेंसी)। नोएडा के थाना सेक्टर 39 पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाकर फ्रॉड करने वाले 6 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 28 मोबाइल फोन, 12 चांदी के सिक्के, 4 सोने के सिक्के, एक लैपटॉप, घटना में प्रयुक्त एक आई-10 कार और एक जुपिटर स्कूटी बरामद की गई है।

नोएडा पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अमित कुमार, रवि कांत मौर्य, तेज सिंह, विकास झा, नागेंद्र शर्मा और नवाब खान ने क्रेडिट कार्ड धारकों का विवरण प्राप्त करने के बाद उन्हें फर्जी वेबसाइट के जरिए लिमिट बढ़ाने का झांसा दिया। आरोपी लोगों को यह विश्वास दिलाते थे कि वे बैंक के अधिकारी हैं और उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए उन्हें एक लिंक भेजते थे। यह लिंक एक ऐसी फर्जी वेबसाइट पर ले जाता था, जो बैंक की असली वेबसाइट जैसी दिखती थी। वह ग्राहकों से उनके क्रेडिट कार्ड से संबंधित सभी व्यक्तिगत जानकारी जैसे नाम, जन्म तिथि, पैन कार्ड, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, कार्ड नंबर, ष्टड्ढड्ढ आदि प्राप्त कर लेते थे। इसके बाद आरोपी उन जानकारियों का इस्तेमाल करते हुए ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स जैसे फ्लिपकार्ट आदि पर महंगे सामान खरीदते थे। साथ ही, ग्राहकों के फोन पर आए ओटीपी का भी दुरुपयोग कर वे सामान खरीदने में सफल हो जाते थे।

महाराष्ट्र सरकार का कैबिनेट विस्तार 15 को

नागपुर में होगा आयोजन

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महाराष्ट्र की महायुति सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार 15 दिसंबर को होगा। मंत्रिमंडल विस्तार का कार्यक्रम नागपुर में होगा। इस दौरान नए मंत्री नागपुर में आयोजित समारोह में पद की शपथ लेंगे। मिली जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर को नागपुर के राज भवन में मंत्रिमंडल के गठन का समारोह होगा। बता दें कि महायुति सरकार के मंत्रिमंडल में सीएम सहित कुल 43 सदस्य हो सकते हैं।

बता दें कि महाराष्ट्र विधि मंडल का शीतकालीन अधिवेशन 16 दिसंबर से नागपुर में शुरू होने जा रहा है। इससे एक दिन पहले 15 दिसंबर को शपथ ग्रहण को होगा। साथ ही साथ उसी दिन शीतकालीन अधिवेशन में जिन बिंदुओं पर काम काज किया जाएगा उसके बारे में मुख्यमंत्री और एवं दोनों उपमुख्यमंत्री जानकारी देंगे। दोपहर में विपक्ष अपनी रणनीति का खुलासा भी करेगा कि किस तरीके से शीतकालीन सत्र में वह सरकार को घेरेगा।दरअसल, पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि मंत्रिमंडल का गठन 14 दिसंबर को मुंबई में होगा। लेकिन विभागों के बंटवारे में एवं विधायकों को मंत्री बनाने की चयन प्रणाली में विलंब होने से मंत्रिमंडल का गठन नागपुर में 15 दिसंबर को होगा। महाराष्ट्र की महायुति सरकार के मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 43 सदस्य हो सकते हैं। इस बीच, भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार से अलग-अलग मुलाकात की। बता दें कि 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किये गये थे। महायुति गठबंधन ने राज्य की 288 सीट में से 230 सीट जीतकर सत्ता हासिल की थी। महायुति में शामिल भाजपा 132 सीट के साथ सबसे आगे रही। वहीं एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 57 और अजित पवार की एनसीपी को 41 सीट पर जीत मिली थी।

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने कांग्रेस पर छोड़े तीर

आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर जमकर बरसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा में कहा कि विपक्षी दल के माथे से यह कलंक कभी नहीं मिट सकेगा। इस दौरान लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी देशवासियों के लिए और विश्व के लोकतंत्र प्रेमी नागरिकों के लिए भी ये गौरव का पल है। बड़े गर्व के साथ लोकतंत्र के उत्सव को मनाने का अवसर है। संविधान के 75 वर्ष की यात्रा और विश्व के सबसे विशाल लोकतंत्र की यात्रा के मूल में हमारे संविधान निर्माताओं का योगदान है, जिसे लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इसके 75 वर्ष पूर्ण होने पर एक उत्सव मनाने का पल है। ये खुशी की बात है कि संसद भी इस उत्सव में शामिल होकर अपनी भावनाओं को प्रकट कर रहा है। संविधान निर्माता इस बात को लेकर बहुत सजग थे, वो ये नहीं मानते थे कि भारत का जन्म 1947 को हुआ, वो नहीं

मानते थे कि भारत में लोकतंत्र 1950 से शुरू हुआ। वो हजारों साल की यात्रा के प्रति सजग थे। भारत का लोकतंत्र, भारत का गणतांत्रित अतीत बहुत ही समृद्ध रहा है। तभी भारत आज मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में जाना जाता है। हम सिर्फ विशाल लोकतंत्र ही नहीं, हम लोकतंत्र की जननी हैं। संविधान सभा में 15 महिला सदस्य थीं। ये सभी बहनें अलग-अलग क्षेत्र की थीं। संविधान में उन्होंने जो सुझाव दिए, उन सुझावों का संविधान के निर्माण में बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा था। दुनिया के कई देशों को महिलाओं को अधिकार देने में दशकों बीत गए, लेकिन हमारे यहां शुरुआत से ही महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया गया था। मोदी ने कहा कि ये संविधान की देन है कि मेरे जैसे लोग यहां तक पहुंचे हैं। ये संविधान का सामर्थ्य था जो बिना किसी बैकग्राउंड के यहां तक पहुंचे हैं। हमे देश ने तीन बार स्नेह दिया, ये हमारे संविधान के बिना संभव नहीं था। देश की जनता पूरी ताकत के साथ संविधान के साथ खड़ी रही है। कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। 75 साल की हमारी यात्रा में 55 साल एक ही परिवार ने राज किया है, इसलिए देश को क्या-क्या हुआ है, ये जानने का अधिकार है। इस परिवार के कुविचार, कुरीति, कुनीति, इसकी परंपरा निरंतर चल रही है। हर स्तर पर इस परिवार ने संविधान को चुनौती दी है। 1947-1952 इस देश में चुनी हुई सरकार नहीं थी, एक सेलेक्टेड सरकार थी। चुनाव नहीं हुए थे, एक अंतरिम व्यवस्था के रूप में खाका खड़ा किया गया था। 1952 के पहले राज्यसभा का भी गठन नहीं हुआ था। राज्यों में भी कोई चुनाव नहीं थे, जनता का कोई आदेश भी नहीं था, उसके बावजूद 1951 में जब चुनी हुई सरकार नहीं थी, उन्होंने संविधान को बदला और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला कर दिया गया।

रेप के आरोप में महिला ने 3 खिलाड़ियों को दिलवाई सजा, अब 18 साल बाद कहा; मैंने झूठ बोला था

वाशिंगटन (एजेंसी)। कानून का मकसद अपराधियों को सजा दिलवाना होता है। लेकिन कई बार इस तरह के मामले भी सामने आते हैं जिसमें इन्हीं कानूनों को गलत इस्तेमाल कर बेगुनाह लोगों को भी गुनहगार सिद्ध कर दिया जाता है। अमेरिका में 18 साल पहले कुछ ऐसी ही घटना हुई थी। दरअसल, साल 2006 में

अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी के तीन खिलाड़ियों पर एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया था। 2006 में यह मामला अमेरिकी मीडिया में चर्चा का विषय बन गया था। तीन खिलाड़ियों पर रेप का आरोप लगाने वाली महिला का नाम क्रिस्टल मैंगम है जो एक अश्वेत महिला हैं। महिला ने अब सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने झूठ बोला था और रेप की कहानी गढ़ी थी। मैंगम ने %लेट्स टॉक विद कैट% पॉडकास्ट के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि उसने एक ऐसी कहानी गढ़ी थी जो सच नहीं थी। जिन खिलाड़ियों पर रेप के आरोप लगाए गए थे वो श्वेत थे और एक पार्टी में शामिल हुए थे जहां क्रिस्टल मैंगम ने स्ट्रिपर के रूप में प्रदर्शन किया था। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, 46 वर्षीय मैंगम ने कहा कि मैंने यह कहकर उनके खिलाफ झूठी गवाही दी कि उन्होंने मेरा बलात्कार किया जबकि उन्होंने ऐसा नहीं किया था। जिन लोगों पर रेप के आरोप लगे थे उनके नाम- डेविड इवांस, कोलिन फिनर्टी और रीड सेलिगमैन हैं। मामला लंबे समय तक अदालत में चलता रहा, हालांकि बाद में सच सामने आया कि आरोप झूठे थे।

शीतलहर से बचाव एवं सुरक्षा के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी ने शीतलहर से होने वाले दुष्प्रभावों और उससे बचाव के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दिसम्बर और जनवरी माह में शीतलहर के दौरान सर्द हवाओं से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव के दृष्टिगत सावधानियों और तैयारियों के वृहद निर्देश आदेश में शामिल हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा नेशनल गाइडलाइंस फॉर प्रिपरेशन ऑफ एक्शन प्लान - प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ कोल्ड वेव एंड फ्रॉस्ट जारी की गई है, जिससे शीतलहर से बचाव और प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इन दिशा-निर्देशों के तहत सभी संबंधित विभागों और अस्पतालों को सतर्क रहने और समय पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।अस्पतालों में शीतलहर से बचाव हेतु व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा जिला और विकासखंड स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश आयुक्त स्वास्थ्य ने दिये हैं। साथ ही शीतघात और हाइपोथर्मिया से उत्पन्न स्वास्थ्य समस्याओं की त्वरित पहचान और प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था सभी अस्पतालों में करने के लिये कहा गया है।

स्थानीय स्तर पर संचार माध्यमों से मौसम संबंधी पूर्वानुमानों के प्रति जागरूक रहने की नागरिकों को सलाह दी गयी है। मौसम के पूर्वानुमानों का पालन करें। शीतलहर के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और घर के अंदर ही रहें। ठंड में लंबे समय तक बाहर न रहें। ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनकर सिर, गर्दन, हाथ और पैरों को ढककर रखें। विटामिन सी युक्त फल और सब्जियां खाएं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए गर्म तरल पदार्थों का सेवन करें। आस-पड़ोस में रहने वाले वृद्धजनों और बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नाक बहना, नाक बंद होना, फ्लू और नाक से खून आने जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता का खतरा बंद कमरों में अंगीठी या फायर पॉट का उपयोग करने से होता है, जिससे जान का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए बंद कमरों में अंगीठी फायर पॉट का प्रयोग न करें। फ्रॉस्टबाइट के दौरान त्वचा सफेद या फीकी पड़ सकती है। कपकपी, मांसपेशियों में अकड़न, बोलने में कठिनाई, अधिक नींद आना, सांस लेने में कठिनाई और बेहोशी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है और इसके लिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। हाइपोथर्मिया से प्रभावित व्यक्ति को तुरंत गर्म कपड़े पहनाएं और उसे गर्म स्थान पर रखें। कंबल, तौलिया या चादर से शरीर को ढकें। गर्म पेय पदार्थ देकर शरीर के तापमान को बढ़ाएं। लक्षणों के बढ़ने पर तुरंत चिकित्सीय सहायता लें। शराब का सेवन न करें, क्योंकि यह शरीर के तापमान को घटाता है और रक्त धमनियों में संकुचन करता है। फ्रॉस्टबाइट प्रभावित अंगों को रगड़ने से बचें, इससे और अधिक नुकसान हो सकता है। बेहोश व्यक्ति को तरल पदार्थ न पिलाएं।

छात्रावास नशामुक्ति समितियों का होगा गठन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में आयुष विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में छात्रावास नशामुक्ति समिति का गठन किया जाएगा।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर ने बताया कि छात्रावासों में नशामुक्ति समितियों के गठन का निर्णय राज्य स्तरीय समिति की बैठक में किया गया था। इसी क्रम में आयुष विभाग द्वारा अपने सभी छात्रावासों में संकायवार विद्यार्थियों की छात्रावास नशामुक्ति समिति का गठन किया जा रहा है। यह समितियां छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगी।

26 जनवरी 2025 परेड में भाग लेने वाली भूतपूर्व सैनिकों की टुकड़ी का चयन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की वीरगाथा को कायम रखने के लिए 26 जनवरी 2025 को लाल परेड ग्राउण्ड में राज्य स्तरीय परेड में भूतपूर्व सैनिकों की एक टुकडी विगत कई वर्षों से भाग ले रही है जिसमें 51 भूतपूर्व सैनिकों का चयन किया जाना है।

ग्रुप केप्टन (से.नि.) अभिताभ रावत, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, भोपाल जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा भूतपूर्व सैनिकों की टुकड़ी का चयन सैनिक विश्रामगृह, भोपाल में 17 दिसम्बर 2024 प्रातः 11.00 बजे से किया जाएगा ।

परेड में भाग लेने वाले इच्छुक भूतपूर्व सैनिक अपने पंजीयन के लिए डिस्जार्च बुक एवं पहचान पत्र के साथ जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, भोपाल में उपस्थित होकर पंजीयन कराये।

उच्च शिक्षा मंत्री ने भौंरी के शिक्षण संस्थानों का भ्रमण किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार द्वारा भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक में चर्चा उपरांत भोपाल शहर को सेंट्रल रीजन के शैक्षणिक हब के रूप में विकसित करने पर निर्णय लिया गया, साथ ही शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से एग्रो टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की स्थापना करने पर भी चर्चा की गई।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भौंरी स्थित शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आईसर भोपाल में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिसमें केंद्र एवं राज्य के शैक्षणिक संस्थानों निफ्ट भोपाल, आरजीपीवी भोपाल, एसपीए भोपाल, आईसीएमआर-निरह भोपाल, एनएफएसयू भोपाल, एनआईटीटीटीआर भोपाल आदि संस्थानों के निदेशक एवं कुलगुरू तथा राज्य शासन के अधिकारी प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

उपरोक्त बैठक में सभी ने उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार को शिक्षा में नवाचार, न्यू एजुकेशन पॉलीसी के म.प्र. के शैक्षणिक संस्थानों में लागू करने तथा भोपाल को शैक्षणिक केन्द्र स्थल (हब) के रूप में विकसित करने की पहल करने के लिए धन्यवाद दिया।

प्रो. गोवर्धन दास, निदेशक, आईसर भोपाल ने भौंरी क्षेत्र में एग्रो टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की स्थापना करने का प्रस्ताव दिया जिस पर उपस्थित सभी निदेशकों एवं कुलगुरू ने सहमति दी।

उक्त सुझाव पर माननीय मंत्रीजी ने एग्रो टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की स्थापना भौंरी क्षेत्र में ही करने और साथ ही यहां एक कन्वेन्शन सेंटर को भी स्थापित करने की सलाह दी एवं बैठक से पूर्व दौरा की गई आईआईएसईआर भोपाल और निफ्ट से सटे भौरी बाइपास मुख्य सड़क पर स्थित 7 एकड़ भूमि जो कि एयरपोर्ट से लगभग 10 किलोमीटर कि दूरी पर है को उपरोक्त कन्वेन्शन सेंटर

स्थापित करने के लिए उपयुक्त पाया। इस संबंध में श्री परमार ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल को इसे मूर्त रूप देने की पहल करने हेतु निर्देशित किया। यह कन्वेंशन सेंटर बुद्धिजीवी, वैज्ञानिक, राजनयिक, नीति निर्माता, न्यायविद, लेखक, कलाकार राजनेता, और नागरिक समाज के सदस्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भावना में नए विचारों और ज्ञान के आदान-प्रदान करने में मददगार साबित होगा।

मंत्री श्री परमार ने उपस्थित सभी कुलपति एवं निदेशकों से प्रदेश के शैक्षणिक विकास के लिए अपने-अपने शैक्षणिक संसाधनों को देश/प्रदेश के हित में साझा करने एवं शिक्षण और शोद्यार्थियों के आदान-प्रदान करने पर जोर दिया एवं केंद्रीय शिक्षण संस्थानों द्वारा राज्य शासन के शिक्षण संस्थानों को शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग करने की पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मध्यप्रदेश सरकार की दूरदर्शी नीति के फलस्वरूप राष्ट्रीय महत्व के कई संस्थान भौंरी में स्थापित किए गए हैं जो अब राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। मंत्रीजी ने यह इच्छा जतायी कि जब शासन द्वारा भौंरी क्षेत्र को शैक्षणिक हब में स्थापित किया जा रहा है तो क्यों ना केंद्र एवं राज्य शासन के द्वारा भविष्य में प्रस्तावित अन्य नए संस्थानों को भी भौंरी में स्थापित किया जाए।

उत्पादक प्लालस्टिक वेस्ट के प्रबंधन की चिंता करें- मंत्री श्री काश्यप

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने प्लास्टिक उत्पादकों का आव्हान किया कि वे प्लास्टिक प्रोडक्ट के प्रबंधन की चिंता करें। यदि अभी इस पर ध्यान नही दिया गया तो आने वाले 50 सालों में इसके दुष्परिणाम से संभलना मुश्किल होगा।

मंत्री श्री काश्यप गोविंदपुरा स्थित सीपेट (सेंट्रल इंस्ट्रट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्ट्रस इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी) परिसर में %प्लास्ट पेक 2025 के प्रमोशनल इवेंट कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बीना रिफायनरी के समीप प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये गये पेट्रो केमिकल्ट्रस कॉम्प्लेक्ट्रस के भूमि-पूजन का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भविष्य में प्लास्टिक की इंडस्ट्रियां लगेंगी एवं उत्पादन भी बढेगा। अभी तक हम प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल्ट्रस के क्षेत्र में गुजरात और तमिलनाडु केन्द्र स्थापित थे, अब मध्यप्रदेश भी

बडे केन्द्र के रूप में उभर रहा है।

मंत्री श्री काश्यप ने सीपेट की इंदौर में यूनिट स्थापित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा भोपाल और ग्वालियर में सीपेट की इकाईयां हैं। इनके भी कुछ काम शेष रह गये है और इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करें।

बिजली कंपनी ने जारी किया 46 लाख 11 हजार 694 रूपये का बिल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के भानपुर क्षेत्र में स्थित तिलकराम स्वीट्स द्वारा अपने प्रतिष्ठान में स्थापित बिजली कनेक्शन के स्वीकृत भार से ढाई गुना अधिक भार का उपयोग करते पाए जाने पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की बीआई सेल टीम ने 46 लाख 11 हजार 694 रूपये का बिल जारी किया है।

गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के परिसरों में सघन चेकिंग अभियान चलाकर स्वीकृत भार से अधिक भार का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की जाँच की जा रही है। जांच में बढ़ा हुआ लोड पाए जाने पर खपत के आधार पर जुर्माना लगाकर बिल जारी किये जा रहे हैं। इसी क्रम मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल शहर वृत्त अंतर्गत बीआई सेल द्वारा संदेह होने पर एलटी हाई वैल्यू कंज्यूमर के मीटर के एमआरआई डाटा से उपभोक्ताओं की औसत खपत एवं लोड का विश्लेषण किया गया। इसमें उपभोक्ता मे. तिलकराम स्वीट्स भानपुर द्वारा स्वीकृत भार 45 किलोवाट के अनुसार दर्ज खपत एवं अधिकतम मांग के अनुसार जारी बिल में कमी पाए जाने पर उप महाप्रबंधक बीआई सेल श्री अजय वाधवानी, प्रबंधक श्रीमती रितु वाजपेई, श्री शरद पाठक एवं सहायक श्री प्रबंधक हर्षद केकरे सहित बीआई सेल टीम द्वारा उपभोक्ता के परिसर में स्थापित विद्युत मीटर एवं लोड की जांच की गई। उपभोक्ता मे. तिलकराम स्वीट्स भानपुर द्वारा स्वीकृत भार से अधिक भार लगभग ढाई गुना ज्यादा 109 किलोवाट एवं मीटर का एमएफ 20 पाया गया, जिस पर तत्काल कार्यवाही की गयी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इन दिनों निम्नदाब के गैर घरेलू और औद्योगिक (पॉवर) उपभोक्ताओं के परिसरों का व्यापक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान उपभोक्ता परिसर में विद्युत भार (लोड) में वृद्धि के प्रकरण पकड़े जा रहे हैं। कंपनी द्वारा विद्युत भार की वृद्धि स्वेच्छा से करा लेने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक भी किया जा रहा है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है।

भोपाल में खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी कम करने पर एफ्को और डब्ल्यूआरआई इंडिया की हुई कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में शुक्रवार को एफ्को और डब्ल्यूआरआई इंडिया द्वारा %खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी कम करने पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें संबंधित विभागों, समाज सेवी संगठन, संस्थानों के हितधारकों और प्रतिनिधियों के साथ 50 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रदेश के प्रमुख शहरों में आयोजित होने वाले नीतिगत संवादों की श्रृंखला के पहले भाग में पर्यावरण नियोजन और समन्वय संगठन (एप्को) ने वर्ल्ड रिसोर्सेस इंडिया (डब्ल्यूआरआई इंडिया) के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में %खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी कम करने के लिये शहर-

स्तरीय रणनीतियों को विकसित करने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

कार्यशाला में खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी के कारणों और प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, नगर-स्तरीय खाद्यान्न पूर्ति की पद्धतियों और चुनौतियों को मापना, सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों का प्रदर्शन करना और पूरे राज्य में खाद्यान्न हानि और भोजन की बर्बादी की समस्या से निपटने की उचित कार्यवाही और योग्य रणनीतियां तैयार करने पर चर्चा हुई। इस श्रृंखला में भोपाल के बाद जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन में भी नगर स्तरीय नीतिगत संवाद आयोजित करने की कार्य योजना बनाई गई है। नीतिगत संवादों का उद्देश्य पारस्परिक शिक्षा को बढ़ावा देना तथा खाद्य हानि और खाद्य अपव्यय से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जनमानस के व्यवहार में सार्थक परिवर्तन लाना है जिससे खाद्यान्न के नुकसान को प्रभावी ढंग से रोका जा सके। भोपाल नगर निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायण ने कहा कि खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी आज हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। आपूर्ति श्रृंखला में भोजन की हानि को कम करना भोपाल नगर निगम के लिए एक मुख्य प्राथमिकता है। खाद्य अपशिष्ट को प्रभावशाली तरीके से कम करने के लिए उपभोक्ताओं के सक्रिय प्रयासों, होटल, रेस्तरां और कार्यक्रम आयोजकों जैसे ठोस अपशिष्ट को स्रोत पर ही छाँटकर एवं प्रबंधित करने की आवश्यकता है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों को दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। टिहरी उत्तराखंड में 10 से 13 दिसंबर 2024 तक आयोजित 35वीं राष्ट्रीय सीनियर कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप और नेशनल गेम्स क्वालिफायर में मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 1 स्वर्ण, 13 रजत और 12 कांस्य सहित 26 पदक अर्जित किये। इस उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश की खेल संस्कृति को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का प्रतीक है।

पदक तालिका में 1000 मीटर मे 4 सिल्वर, 5 ब्रॉन्ज, 500 मीटर मे 3 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज, 5000 मीटर में 1 गोल्ड, 3 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज और 200 मीटर मे 3 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज इस प्रकार कुल पदक 1 गोल्ड,13 सिल्वर, 12 ब्रॉन्ज हासिल किए गए।

सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है-उप मुख्यमंत्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि देश को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन अनुसार मध्यप्रदेश ने पूरी तैयारी कर ली है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि अच्छे उद्देश्य के लिये काम की शुरूआत पूरे उत्साह के साथ करें। नियम प्रक्रियों का ज्ञान अगर शुरूआत से होता है तो आगे परेशानी नहीं होती है। सांख्यिकी विभाग में डेटा का काम बहुत महत्वपूर्ण होता है, इससे प्रदेश का बजट बनाने की प्रक्रिया आसान होती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण ले रहे कर्मचारियों के लिये यह प्रशिक्षण गुणात्मक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है और हर क्षेत्र में इसकी उपयोगिता भी है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा वाल्मी संस्थान में योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी के नव नियुक्त कर्मचारियों के आधार-भूत प्रशिक्षण समापन समारोह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने प्रशिक्षण ले रहे कर्मचारियों से कहा कि ड्यूटी और कर्त्तव्य के प्रति ईमानदार होना चाहिए। विकसित भारत2047 का लक्ष्य को पूरा करने के लिये आप सभी लोग सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्य को बोझ समझकर न करें। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागों में भर्ती प्रक्रिया की सहमति दी है। उसके तहत सांख्यिकी विभाग के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की जायेगी। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये।

आयुक्त श्री ऋषि गर्ग ने कहा कि नव नियुक्ति कर्मचारियों को 9 से 13 दिसम्बर 2024 तक प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण में विभाग के सभी कर्मचारियों को विभागीय जानकारी के साथ-साथ जीडीपी, स्टेट इनकम, सीएम हेल्पलाइन जनता से जुडे मुद्दों की भी जानकारी दी गई है।

हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंच रहा है शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ-खाद्य मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार हर वर्ग के लिए जनहितैषी योजनायें संचालित कर उनका कल्याण कर रही है। हर जरूरतमंद व्यक्ति तक शासन की जन-कल्याणकारी योजनाएं पहुंच रहीं हैं और लोग उनका लाभ उठा कर अपना जीवन स्तर सुधार रहे हैं। मुख्यमंत्री के जनकल्याण अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि हर जरूरतमंद तक हमारी सरकार पहुंचे और उन्हें जन-कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें।

यह बात खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जलंधर में मुख्यमंत्री

जनकल्याण अभियान अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में कही। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व में भारत को अलग पहचान दिलायी तो वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में जन-कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से और विकास कार्यों से प्रदेश को ऊंचाईयों पर पहुंचाया है। उसी तरह सुरखी विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों ने हमारी विधानसभा की अलग पहचान बना दी है। सुरखी विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पक्की सड़कें विकास की कहानी बयां कर रही है। वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिए स्टेडियम, व्यायाम शालाएं तथा क्रिकेट टूर्नामेंट जैसे आयोजनों ने युवाओं को नई राह दी है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में यह विकास का पहिया अनवरत चलता रहेगा। आज लगभग हर गांव में नल जल योजना के माध्यम से घर-घर पानी पहुंच रहा है। एक समय था कि लोग पानी के लिए कोसों दूर जाते थे लेकिन अब घर घर नल जल योजनाओं ने हमारी माताओं बहनों का जीवन स्तर सुधार दिया है। इसी तरह ऐसे कई विकास कार्य हैं जिन्होने सुरखी विधानसभा क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है।

नेशनल लोक अदालत में हुआ 1012 प्रकरणों का निराकरण

आपसी राजीनामा से प्रकरणों का निराकरण सर्वोत्तम तरीका है: प्रधान जिला न्यायाधीश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में दिनांक 14 दिसंबर 2024 को जिला न्यायालय सीधी एवं सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन तथा मझौली में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार पाण्डेय, न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुकेश कुमार, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह एवं अन्य न्यायाधीशगण द्वारा जिला न्यायालय परिसर में दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आपसी राजीनामा से प्रकरणों का निराकरण सर्वोत्तम तरीका है जिससे समय एवं धन की क्षति रूकती है और मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकारों को मदद होती है। पाण्डेय ने अधिवक्तागण से प्रकरणों का जल्दी निराकरण करने की अपील की एवं अभिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रेरित किया।

प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुकेश कुमार ने कहा कि नेशनल लोक अदालत में समझौता कराते समय अपने सामाजिक दायित्व का ध्यान रखे। न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण से प्रकरणों का निराकरण मध्यस्थता के माध्यम से करने की अपील की एवं अभिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह लोक अदालत इस वर्ष की चौथी लोक अदालत है और लोक अदालत को सफल बनाने में वकीलों का अहम योगदान रहा है। समझौता एक ऐसा विकल्प है जिसमें आगे होने वाली लड़ाई समाप्त हो जाती है। सिंह ने कहा कि जिन प्रकरणों का निराकरण हो जाता है उनका संदेश ऐसे प्रकरण के अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को समाज में देना चाहिए जिससे अन्य व्यक्ति भी नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभों को जान सके और अपने प्रकरणों का निराकरण करा सकें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव वीरेन्द्र जोशी ने मध्यस्थता के बारे में विस्तार से बताया तथा यह भी बताया कि मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण जल्दी हो जाता है। जोशी ने यह भी बताया कि किसी भी विषय पर दो पक्षों में विवाद उत्पन्न होने पर सर्वप्रथम उसे मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने के प्रयास किया जाना चाहिए। इसके साथ ही न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण से मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने हेतु प्रेरित किया। जोशी ने कहा कि लोगों में जागरूकता पैदा करना है ताकि लोग लोक अदालत में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर अपने प्रकरणों का त्वरित राजीनामा के द्वारा निराकरण कराये। जोशी ने अधिवक्तागण से प्रकरणों का मध्यस्थता के माध्यम से अंतिम समय तक निराकरण करने की अपील की एवं अभिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की। जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित हुये समस्त अतिथियों का आभार प्रकट किया। साथ ही पूर्व में हुई नेशनल लोक अदालत के आंकड़ों के बारे में जानकारी दी तथा नेशनल लोक अदालत में अधिवक्तागण से सहयोग की अपेक्षा की। कार्यक्रम का संचालन रूपेन्द्र कुमार मिश्रा सहायक ग्रेड-3 जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रथम जिला न्यायाधीश राजेश कुमार श्रीवास्तव, चतुर्थ जिला न्यायाधीश गौतम कुमार गुजरे, प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुउर्मिला यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मण डोडवे, न्यायाधीशगण सर्वश्री, सोनू जैन, शोभना मीणा, रेनू श्रीवास्तव, अभिषेक साहू, सुशील गहलोत, भारती शर्मा जिला अभियोजन अधिकारी, सहायक सहायक जिला अभियोजन अधिकारी पूजा गोस्वामी, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी कु. सीनू वर्मा, चीफलीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, डिप्टी चीफलीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार श्रीवास्तव, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सत्यप्रकाश पाण्डेय, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद द्विवेदी तथा अधिवक्तागण राजेन्द्र सिंह परिहार, उदयकमल मिश्रा, विद्याकांत मिश्रा, सहित अन्य अधिवक्तागण तथा विद्युत विभाग, बैंक एवं नगरीय निकाय के प्रशासनिक अधिकारीगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के सदस्य एवं जिला न्यायालय तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला मुख्यालय सीधी में 11 खंडपीठे, व्यवहार न्यायालय चुरहट में 03, मझौली में 01 व रामपुर नैकिन में 02 खंडपीठे गठित की जाकर कुल 17 न्यायिक खंडपीठे गठित की गई थी। नेशनल लोक अदालत में समझौता योग्य आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, निगोशियेबल इस्ट्रूमेन्ट एक्ट के अन्तर्गत चेक बाउंस प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय तथा, नगर पालिका के जलकर से संबंधित प्रकरणों के सहित विद्युत वितरण कम्पनी, समस्त बैंकों के ऋण वसूली मुकदमा पूर्व प्री-लिटिगेशन के प्रकरण इस लोक अदालत में निपटारे हेतु रखे गये।

सीधी, चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में आयोजित हुई नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लम्बित कुल 631 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये जिनमें 311 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इसी प्रकार कुल 5568 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये जिनमें 702 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इस प्रकार नेशनल लोक अदालत में कुल 1012 प्रकरणों का निराकरण हुआ। मोटर दुर्घटना दावा के अन्तर्गत 10 क्लेम प्रकरण निराकृत किये गये जिसमें पक्षकारों को 2277000 रूपये की क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त हुई। विद्युत अधिनियम से संबंधित एवं न्यायालय में लंबित 56 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें 630088 रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ तथा विद्युत के 204 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 224000 रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। नेशनल लोक अदालत में 3023317 रूपये के चेक बाउंस के 28 प्रकरणों का निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत में 161 आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों, 18 वैवाहिक प्रकरणों, 12 सिविल प्रकरणों तथा 23 अन्य प्रकरणों का निराकरण सफलतापूर्वक किया गया। नेशनल लोक अदालत में बैंक वसूली के 187 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें विभिन्न बैंकों को 157000827 रूपये की राशि प्राप्त हुई। नगरीय निकाय के अन्तर्गत, जलकर कर के 226 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें नगरीय निकायों को लगभग 1638386 रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

छात्र को मुर्गा बनाकर लात-घूसों, बेल्ट से पीटा

चार युवकों ने गाली-गलौज करते हुए माफी मंगवाई, फिर पैर भी पड़वाऐं

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में शनिवार को एक स्कूली छात्र के साथ मारपीट का वीडियो सामने आया है। चार युवक स्कूल की यूनिफॉर्म और बैग लिए छात्र को बेरहमी से पीट रहे हैं। युवक छात्र को मुर्गा बनने को बोलते हैं, फिर उसे लात और बेल्ट मारते हैं।

युवकों ने छात्र से गाली-गलौज करते हुए माफी मंगवाई और पैर भी पड़वाए। इसका वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

छात्र से मारपीट का वीडियो पन्ना रोड आजाद चौक के पास मॉडल स्कूल का बताया जा रहा है। जहां एक दोस्त के पुराने विवाद को लेकर एक कक्षा 12वीं के छात्र के साथ चार युवकों ने मुर्गा बनाकर पीट दिया। मारपीट के इस वीडियो में चारों युवक गली-गलौज करते हुए लात घुसों, बेल्ट और डंडे से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। साथ ही मारपीट कर रहे युवकों ने छात्र से विवाद न करने और माफी मांगने के नाम पर पैर भी पडवाएं। वहीं, शनिवार की सुबह वीडियो सामने आने के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

वहीं, मामले को लेकर सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे का कहना है कि यह वीडियो पुराना है, इसकी जांच की जा रही है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि यह वीडियो पुराना है इसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

बस स्टैंड प्रतीक्षालय में व्यक्ति की मौत

ठंड से मौत की आशंका, बस सवारी की व्यवस्था करता था शख्स

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर जिला मुख्यालय स्थित बस स्टैंड के पास एक मजदूर की शनिवार को मौत हो गई। मृतक की पहचान मुल्ला नामक व्यक्ति के रूप में हुई है। शनिवार को सुबह 11 बजे लोगों को उसकी मौत की सूचना मिली। उक्त शख्स अनूपपुर बस स्टैंड में ही बस की सवारी की व्यवस्था करके कमाई करता था। दीनदयाल अंत्योदय रसोई केंद्र प्रतीक्षालय मे रात के समय सोने के बाद उसकी मौत हो गई। ठंड की वजह से उसके निधन की आशंका जताई जा रही है।

अनूपपुर जिले में दो दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही हैं। न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस हैं। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और नगर पालिका परिषद अनूपपुर पर लापरवाही का आरोप लगाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से रैन बसेरों का संचालन केवल कागजों पर हो रहा है। ठंड से बचाव के लिए बनाई गई सुविधाएं जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि ठंड के कारण हुई इस मौत के कई घंटे बाद भी न तो नगर पालिका का कोई प्रतिनिधि आया और न ही प्रशासन के किसी अधिकारी ने मौके पर पहुंचे।

जंगल में युवती के साथ गैंगरेप, बेहोशी की हालत में छोड़कर भागे तीनों आरोपी, लोगों की नजर पड़ी तो पुलिस बुलाई

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर जिले में 20 साल की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना के बाद से तीनों आरोपी फरार हैं। राजेंद्र ग्राम थाना प्रभारी वीरेंद्र बरकड़े के मुताबिक, युवती ने बताया कि वह 12 दिसंबर को शुकुलपुरा में रहने वाली बड़ी मां के यहां गई थी। शुक्रवार को घर लौट रही थी, तभी दोपहर में नदी के पास सुनसान जगह में उसे गांव का गोलू उर्फ सुनील पनिका नाम का युवक मिला। पहले गोलू ने फिर उसके दो साथियों ने ज्यादती की।

पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया: बताया जाता है कि आरोपियों ने बलात्कार के बाद युवती को बेहोशी की हालत में जंगल में ही छोड़ दिया था। इसके बाद आसपास के लोगों ने उसे देखा और पुलिस को सूचना दी। फिर पुलिस ने युवती को राजेंद्र ग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। होश में आने के बाद उसने पुलिस को आपबीती बताई। युवती ने पुलिस को बताया कि वह सुनील को तो पहचानती है, लेकिन बाकी दो लोग कौन थे, वह नहीं जानती। युवती 12वीं तक पढ़ी है। फिलहाल घर में ही रहती है। पीड़ित का परिवार खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है।

नशे का आदी है एक आरोपी: थाना प्रभारी वीरेंद्र बरकड़े ने बताया कि आरोपी गोलू उर्फ सुनील पनिका नशे का आदी है। पूरे दिन नशे में रहता है। अब तक उसका आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। गोलू के माता-पिता खेती-किसानी का काम करते हैं। फिलहाल, तीनों आरोपी फरार हैं। पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है।

विधायक ने किया छात्रों को साइकिल का वितरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सत्र 2024-25 का विकास खण्ड स्तरीय सायकल वितरण कार्यक्रम पीएम शासकीय आदर्श कन्या हाई स्कूल सीधी में विधायक सीधी रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। विधायक पाठक द्वारा पात्र छात्राओं को सायकल वितरण कर एवं हरी झंडी दिखा कर उनका अभिनंदन किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों को नए कीर्तिमान स्थापित करने की प्रेरणा दी।

उक्त कार्यक्रम में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी एस डी द्विवेदी, संकुल प्राचार्य एस एन त्रिपाठी, क्रमांक 2 प्राचार्य रामाधार पांडेवा, ए पी सी विष्णु पांडेय, बी आर सी सी विनय मिश्रा, सेवानिवृत्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी एल के शर्मा, उपनी प्रभारी प्राचार्य कृष्ण गिरी, सुरेश कुमार उर्मलिया सभी अभिभावक शिक्षक एवं छात्र गण आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम का मंच संचालन ललन सिंह द्वारा किया गया एवं समस्त स्टाफका सराहनीय सहयोग रहा। विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य रंजना द्विवेदी द्वारा विधायक से शाला उन्नयन का निवेदन किया गया। जिस पर विधायक द्वारा कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया गया। अंत में प्राचार्य द्वारा सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित किया गया।

सरकार का एक साल पूरे होने पर गिनाई उपलब्धियां

प्रदेश उपाध्यक्ष बोले- महिलाओं और युवाओं के काम कर रहे सीएम

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। मध्य प्रदेश सरकार को एक साल पूरा होने पर शनिवार को सिंगरौली के भाजपा कार्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष शीर्ष कांति देव सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि जब से मोहन सरकार आई है, प्रदेश लगातार किसानों के लिए गरीबों के लिए महिलाओं और युवाओं के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में शासन की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित नागरिकों को लाभान्वित किया जा रहा है। जन समस्याओं का मौके पर शिविर लगाकर निराकरण भी किया जा रहा है।

किसान कल्याण के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में पीएम किसान समृद्धि केंद्र की स्थापना होने जा रही है। युवाओं के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति कुलगुरु कहलाएंगे राज्य। स्तरीय रोजगार दिवस पर रिकॉर्ड 7 लाख युवाओं को 5000 करोड़ का स्वरोजगार ऋण वितरित हुआ है। महिला सशक्तिकरण के लिए शासकीय सेवाओं में महिलाओं को 35 % आरक्षण मिलेगा। वहीं, लाडली बहन योजना में 1.29 करोड़ बहनों को जनवरी 2024 तक अब तक 19,212 करोड़ रुपए से अधिक राशि का वितरण किया गया है। इसके अलावा, मोहन सरकार संस्कृति को भी समृद्ध करने में जुटी है। इस दौरान कोल जनजाति विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेला, भाजपा जिला अध्यक्ष राम सिमरन गुप्ता, विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह, सिंगरौली विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष दिलीप शाह मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में पर्यावरण शिक्षण के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय मड़वास आज पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन साथ ही 'ऊर्जा एवं जल की बचत' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के 'इको क्लब' के द्वारा किया गया । दोनो ही प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र/छात्राओ ने भाग लिया। कार्यक्रम में इको क्लब की संयोजक डॉ. संगीता मिश्रा सह संयोजक द्वय प्रो.प्रवीण कुमार एवं डॉ पंकज मिश्रा ऊपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ दीपक अग्निहोत्री, डॉ कमलेश जायसवाल, डॉ आकांक्षा मिश्रा, डॉ सौरभी गुप्ता डॉ निशा सिंह डॉ सुरेंद्र गुप्ता, डॉ ज्योति रजक, लक्ष्मीकांत कुशवाहा, सुंदरलाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्रा ऊपस्थित थे।

कोतमा के कॉलेज में मधुमक्खियों का हमला, दो छात्राएं और एक महिला प्रोफेसर घायल

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर जिले के कोतमा स्थित शासकीय महाराजा मार्तंड कॉलेज की छात्राओं पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इसमें 2 छात्राएं और एक महिला प्रोफेसर घायल हुई हैं। कॉलेज प्रबंधन ने घायल छात्रा खुशी नामदेव को इलाज के लिए कोतमा हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

वहीं कॉलेज छात्रों ने मधुमक्खियों के छत्तों को हटाने के लिए प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा है। मामले में प्रभारी प्राचार्य वीके सोनवानी ने बताया कि छात्राएं बॉटनी लैब की तरफ जा रही थीं, उसी गैलरी में मधुमक्खियों के छत्ते हैं।

उन्हीं छत्तों में से मधुमक्खियों ने दो छात्राओं पर हमला कर दिया।

कन्या महाविद्यालय विश्व एड्स दिवस पखवाड़े पर रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम किया गया जनजागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनीता तिवारी के मार्गदर्शन में एवं जिला एड्स नियंत्रण समिति के नोडल अधिकारी डॉ हिमेश पाठक के नेतृत्व में गुरुवार 12 दिसंबर को कन्या महाविद्यालय सीधी में स्टाफ व छात्राओं के साथ एड्स जागरूकता कार्यक्रम पोस्टर, रंगोली प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य ओमप्रकाश नामदेव एवं डॉ दिलीप सोनी के अध्यक्षता में संपन्न कराया गया।

डॉ विवेक तिवारी द्वारा कार्यक्रम के विषय में श्हम सब ने ठाना है एड्स को हराना हैश, नारे के साथ समझाया गया। ग्राम सुधार समिति लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना से मीरा गौतम के द्वारा एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य बताया कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है इसका अभी तक कोई इलाज नहीं है। इसके लिए जानकारी ही बचाव है। जिला चिकित्सालय सीधी से काउंसलर जरीना बेगम के द्वारा बताया गया कि एचआईवी की जांच निशुल्क होती है। हर 6 माह में एक बार अवश्य करना चाहिए। काउंसलर इंदल सिंह ने इंजेक्शन से नशा लेने वालों का नशा छोड़ने के ओरल थेरेपी की दवा लेने का सुझाव दिया है। संपूर्ण सुरक्षा केंद्र से वेदांती प्रसाद मिश्रा के द्वारा बताया गया कि जागरूकता के माध्यम से हम सभी को सुरक्षित जीवन जीने की जरूरत है। इस जानकारी को समुदाय के लोगों तक पहुंचने का कार्य हम सब मिलकर करेंगे। एआरटी काउंसलर तुलसा ठाकुर ने बताया कि हमारे सेंटर पर एचआईवी पॉजिटिव लोग निशुल्क दवा ले जाते है। बाल श्रम परियोजना से उमा सेन ने छात्राओं को सुझाव के रूप में कहा कि आओ मिलकर संकल्प करें कि हम सब एचआईवी जांच अवश्य कराएगे। सुरेंद्र शुक्ला ने एड्स जागरूकता गीत के माध्यम से छात्राओं को जागरूक करने का प्रयास किया।

प्राचार्य ओ .पी. नामदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि एड्स जागरूकता कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर प्रचार -प्रसार करने की जरूरत है। ताकि लोग इस बीमारी से बचें। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर आका तिवारी द्वारा किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राओं को पुरस्कार वितरण कराया गया। अंत में प्रोफेसर माधुरी गौतम के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में पूनम सिंह, सीमा सिंह, गीता साकेत, विपिन सिंह, एवं समस्त टीम उपस्थित रहे।

स्वसहायता समूह की महिलाओं ने किया विकास प्रदर्शनी का अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। इसके तहत जिला मुख्यालय और विकासखण्डों में चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा शनिवार 14 दिसंबर को अवलोकन कर आवश्यक जानकारी ली गई।

जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित इस प्रदर्शनी में आकर्षक चित्रों के माध्यम से सशक्त बन रही मध्यप्रदेश की नारी, लोक निर्माण से लोक कल्याण, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अभ्युदय, आधुनिक चिकित्सा सेवाओं की गारंटी को प्रदर्शित किया गया है। चित्र प्रदर्शनी में नए स्टार्टअप, जनजातीय विकास से जुड़ी योजनाओं, स्वरोजगार के अवसरों, पुलिस कर्मियों के कल्याण की योजनाओं, गौ संवर्धन तथा गौ संरक्षण के कार्यों एवं प्रदेश में लगातार बढ़ रहे औद्योगिक निवेश को प्रदर्शित किया गया है।

विचार

एक कदम आगे निकली ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर केंद्र की भाजपा नीत सरकार के द्वारा अल्पसंख्यकों को लेकर तुष्टीकरण से लेकर बंगाल में बांग्लादेशियों को शरण देने का आरोप लगाया जाता रहा है। लेकिन इन दिनों बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं और मीडिया में उक्त खबरें हर रोज आ रही है। ऐसे में भले ही देश के पीएम नरेंद्र मोदी का उक्त मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है लेकिन ममता बनर्जी ने सशक्त तौर पर इस अंतरराष्ट्रीय मुद्दे को उठाया है और बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार को नाकाम तक करार दिया है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश से उपजे एक बयान का जवाब देते हुए साफ कहा कि, अगर वह लोग बिहार, बंगाल ओडिशा जैसे हमारे देश के राज्यों पर कब्जे की बात करेंगे तो वह बैठकर लॉलीपॉप नहीं चूसेगी। साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेहद गंभीर और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बात कही। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज राज्य विधानसभा में कहा कि, बांग्लादेश के हालात पर यूएन हस्तक्षेप करे और वहां विशेष शांति सेना भेजे।

भारत हमेशा से विश्व में शांति का प्रतीक रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में टकराव का माहौल बन गया है। इसे निपटाने के लिए अंतरिम युनुस सरकार नाकाम नजर आती है। ऐसे में शांति सेना भेजकर वहां पर शांति स्थापित की जाए। ममता बनर्जी ने उक्त अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर मोदी सरकार के साथ खड़े होने की बात करते हुए यह साबित कर दिया है कि वह राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक सफल नेता हैं और उन्हें पता है कि कब क्या करना चाहिए। साथ ही तृणमूल प्रमुख ने समाज को यह भी संदेश दिया कि, कुछ लोग आपसी सद्भावना को खराब कर सकते हैं ऐसे में शांति और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। देखा जाए तो बांग्लादेश के मामले पर मोदी सरकार से हिंदू समाज जिस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहा था वह नहीं दिखा। यह अलग बात है कि पीएम भले ही सामने नहीं आए हों लेकिन केन्द्र ने बंग्लादेश को संकेत में बता दिया है कि मामले पर भारत की आंखें बंद नहीं है। जबकि आरएसएस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ केंद्र सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है। कांग्रेस ने भी मुद्दे पर अपना पक्ष सामने रख दिया है। लेकिन देखा जाए तो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक कदम आगे निकल गईं है। ममता बनर्जी जब सांसद थी तब भी बंगाल में वाममोर्चा के शासन के दौरान बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठा चुकी है। लेकिन ममता बनर्जी की सरकार बनने के बाद भी बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठता रहा है।

प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 के सामाजिक-सांस्कृतिक मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के रूप में मनाया जाने वाला महाकुंभ मेला सनातनी आस्था, संस्कृति और प्राचीन परंपरा का अद्भुत और बेमिसाल मिश्रण है। हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह पवित्र त्योहार बारह वर्षों में चार बार मनाया जाता है, जो भारत के चार प्रतिष्ठित शहरों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक एवं प्रयागराज में बहने वाली सबसे पवित्र नदियों, गंगा, शिप्रा और गोदावरी के बीच घूमता है। कहना न होगा कि इनमें से प्रत्येक शहर सबसे पवित्र नदियों गंगा, शिप्रा, गोदावरी और खासकर प्रयागराज (पूर्वनाम इलाहाबाद) गंगा, यमुना एवं पौराणिक सरस्वती के संगम के किनारे स्थित हैं।

आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज एक बार फिर इस शानदार उत्सव का केंद्र बन जाएगा, जो लाखों तीर्थयात्रियों और आगंतुकों को भक्ति, एकता और भारत की आध्यात्मिक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति को देखने के लिए आकर्षित करेगा। इसलिए इसके राजनीतिक प्रभावों से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर यदि हमारा नेतृत्व संवैधानिक राज के साथ-साथ सनातनी राज जैसी जनभावनाओं का भी बीजारोपण करे, तो यह भारत भूमि/आसेतु हिमालय के लिए बहुत बड़ा उपकार होगा। क्योंकि हमारी धर्मनिरपेक्ष नीतियां हीं हमारे बन्धु-बांधवों के दमन और उत्पीड़न की पर्याय बनती जा रही हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि आसेतु हिमालयी देशों में हिन्दू जनमानस प्रताड़ित हो रहा है और हमारे नागा साधु भी इस स्थिति से उन्हें निजात नहीं दिलवा पा रहे हैं। भारत सरकार भी स्पष्ट और आक्रामक नीति से बच रही है, क्योंकि उसकी धर्मनिरपेक्षता ने हिन्दू उत्पीड़न को अघोषित गारंटी प्रदान करती जा रही है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। इस पर हमारे साधु-संतों को गम्भीर होना होगा और धर्मनिरपेक्ष सरकार पर दबाव बनाना होगा। विश्व जनमानस पर भी इसका दबाव पड़े, यह चिंतन व अभिव्यक्ति शैली भी हमें विकसित करनी होगी। अतिक्रमित हिन्दू मंदिरों के पुनरुद्धार का मसला भी यहां उठना चाहिए, ताकि सबके बीच एक सकारात्मक संदेश जाए। इतिहास के पापों के प्रक्षालन का और कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इसके अलावा, और भी मुद्दे हैं, जिन पर इसी बहाने एक सकारात्मक बहस छिड़नी चाहिए।

वैसे तो इस भव्य आयोजन में धार्मिक अनुष्ठानों से परे खगोल विज्ञान, ज्योतिष, सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक ज्ञान का समृद्ध मिश्रण शामिल है। क्योंकि इस अवसर पर लाखों भक्त, तपस्वी और तपस्वी त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान सहित पवित्र अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए एकत्र होते हैं। इसलिए सनातनी हितों के सवाल पर भी यहां मौखिक विमर्श शुरू होना चाहिए। यहां आने वाले लोग सनातन धर्म के कट्टर अनुयायी होते हैं, इसलिए सनातनी संवेदनाओं को समझते उन्हें देर नहीं लगेगी। जब वो समझेंगे, तभी औरों को भी समझा पाएंगे।यह पुण्य कार्य होगा। यहां आने वाले भक्तों का भी मानना है कि महाकुंभ स्नान से उनके पाप धुल जाते हैं और उन्हें आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है। इस प्रकार महाकुंभ मेला न केवल भारत की गहरी जड़ें जमा चुकी विरासत का प्रतिनिधित्व करता है बल्कि आंतरिक शांति, आत्म-बोध और सामूहिक एकता की शाश्वत मानवीय खोज को भी प्रदर्शित करता है।

शाही स्नान- महाकुंभ मेला अनुष्ठानों का एक भव्य आयोजन है, इन सभी में स्नान सबसे महत्वपूर्ण है। त्रिवेणी संगम पर आयोजित इस पवित्र समागम में भाग लेने के लिए लाखों तीर्थयात्री एकत्रित होते हैं, जो इसमें विश्वास रखते हैं कि पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो सकता है। माना जाता है कि शुद्धिकरण का यह कार्य व्यक्ति और उनके पूर्वजों दोनों को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त कर देता है, जिससे अंततः मोक्ष या आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है।

स्नान अनुष्ठान के साथ-साथ तीर्थयात्री पवित्र नदी के किनारे पूजा-पाठ में भी शामिल होते हैं और साधुओं एवं संतों के नेतृत्व में ज्ञानवर्धक प्रवचनों में भाग लेते हैं, जिससे जीवन के अनुभव में आध्यात्मिक गहराई जुड़ जाती है। वैसे तो पूरे प्रयागराज महाकुंभ के दौरान पवित्र जल में डुबकी लगाना पवित्र माना जाता है, लेकिन कुछ तिथियां विशेष महत्व रखती हैं, जैसे पौष पूर्णिमा (13 जनवरी), मकर संक्रांति (14 जनवरी) आदि। इन तिथियों पर संतों, उनके शिष्यों और विभिन्न अखाड़ों (आध्यात्मिक क्रम में) के सदस्यों के साथ भव्य जुलूस निकलते हैं, जो शाही स्नान या %राजयोगी स्नान% के नाम से जाने जाने वाले भव्य अनुष्ठान में भाग लेते हैं। यह महाकुंभ मेले की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है और इस आयोजन का मुख्य आकर्षण है। शाही स्नान की परंपरा इस विश्वास पर आधारित है कि जो लोग अनुष्ठान में भाग लेते हैं उन्हें पवित्र जल में डुबकी लगाने पर पुण्य कर्मों का आशीर्वाद मिलता है और उनसे पहले आए संतों का गहन ज्ञान प्राप्त होता है।

आरती- नदी के किनारों पर मंत्रमुग्ध कर देने वाला गंगा आरती समागम में आए लोगों के लिए एक अविस्मरणीय क्षण होता है। इस पवित्र अनुष्ठान के दौरान पुजारी जगमगाते दीपक पकड़कर दृश्य अभिनय प्रस्तुत करते हुए कठिन धर्मक्रिया करते हैं। गंगा आरती हजारों भक्तों को आकर्षित करती है, जिससे पवित्र नदी के प्रति गहरी भक्ति और श्रद्धा जागृत होती है।

कल्पवास- कल्पवास महाकुंभ उत्सव का एक गहरा लेकिन कम ज्ञात पहलू है, जो साधकों को आध्यात्मिक अनुशासन, तपस्या और उच्च चेतना के लिए समर्पित एक अनुष्ठान प्रदान करता है। संस्कृत से उत्पन्न %कल्प% का अर्थ है ब्रह्मांडीय युग और %वास का अर्थ है निवास, जो गहन आध्यात्मिक अभ्यास की अवधि का प्रतीक है। कल्पवास में भाग लेने वाले तीर्थयात्री सादगी का जीवन अपनाते हैं, सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग करते हैं और ध्यान, प्रार्थना और धर्मग्रंथ अध्ययन जैसे दैनिक अनुष्ठानों में व्यस्त रहते हैं। कल्पवास में वैदिक यज्ञ और होम, पवित्र अग्नि अनुष्ठान जो दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करते हैं और सत्संग, बौद्धिक एवं भक्ति विकास के लिए आध्यात्मिक प्रवचन भी शामिल हैं। यह गहन अनुभव बड़े तीर्थयात्रा के भीतर गहरी भक्ति और आध्यात्मिक परिवर्तन को बढ़ावा देता है।

प्रार्थना और अर्पण- माना जाता है कि श्रद्धालु कुंभ के दौरान संगम पर आने वाले देवताओं के सम्मान में देव पूजन करते हैं। श्राद्ध (पूर्वजों को भोजन और प्रार्थना करना) और वेणी दान (गंगा में बाल चढ़ाना) जैसे अनुष्ठान त्योहार के अभिन्न अंग हैं, जो समर्पण और शुद्धि का प्रतीक हैं। सत्संग या सत्य के साथ जुड़ना एक और मुख्य अभ्यास है जहां भक्त संतों और विद्वानों के प्रवचन सुनते हैं। ज्ञान का यह आदान-प्रदान आध्यात्मिकता की गहरी समझ को बढ़ावा देता है और उपस्थित लोगों को उच्च आत्म-साक्षात्कार के लिए प्रेरित करता है। कुंभ के दौरान परोपकार का बहुत महत्व होता है। दान के कार्य जैसे गौ दान (गायों का दान) वस्त्र दान (कपड़ों का दान) द्रव्य दान (धन का दान) और स्वर्ण (सोना) दान को सराहनीय माना गया है।

दीप दान- प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान दीप दान की रस्म पवित्र नदियों को एक मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य में बदल देती है। श्रद्धालु कृतज्ञता के रूप में त्रिवेणी संगम के बहते जल में हजारों प्रज्ज्वलित मिट्टी के दीपक (दीये) पानी में प्रवाहित करते हैं। अमूमन गेहूं के आटे से बने और तेल से भरे ये दीपक दिव्य चमक पैदा करते हैं। यह दिव्य प्रतिभा को दर्शाता है, जो आध्यात्मिकता और भक्ति का प्रतीक है। मेले की पृष्ठभूमि में नदी पर टिमटिमाते दीयों का दृश्य, वातावरण को धार्मिक उत्साह और एकता की गहरी भावना से भर देता है, जो तीर्थयात्रियों पर एक अमिट छाप छोड़ता है।

प्रयागराज पंचकोशी परिक्रमा- तीर्थयात्रियों को प्राचीन पद्धतियों से फिर से जोड़ने के लिए प्रयागराज की परिक्रमा करने की ऐतिहासिक परंपरा को पुनर्जीवित किया गया है। इस यात्रा में सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए आध्यात्मिक पूर्णता प्रदान करने वाले द्वादश माधव और अन्य महत्वपूर्ण मंदिरों जैसे पवित्र स्थल शामिल हैं।

पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के कट ऑफ डेट पर उठते हुए सवालों का जवाब आखिर कौन देगाष्ट्र

कमलेश पांडे

क्या आपको पता है कि प्रथम मुस्लिम आक्रांता मुहम्मद बिन कासिम ने 712 ई में भारत के सिंध प्रांत पर आक्रमण किया और काफी उत्पात मचाया। उसके बाद उसके अनुयायी यानी मुस्लिम आक्रमणकारी अपनी सुविधा के अनुसार भारत पर आक्रमण करते हुए आए, यहां के समृद्ध मंदिरों व बाजारों सहित प्रमुख जगहों पर लूटपाट मचाई और अपने भरोसेमंद लोगों के हाथों में यहाँ की सत्ता सौंप कर फिर वापस चले गए। जबकि बाद के इस्लामिक आक्रमणकारियों ने तो यही अपना डेरा जमा लिया और हमारी संस्कृति को तहस-नहस करने पर आमादा दिखे।

फलस्वरूप लगभग 500 वर्षों के बाद 12वीं सदी तक भारत पूर्ण रूप से मुस्लिम राजाओं का गुलाम बन गया। उसके बाद तो यहाँ धार्मिक उत्पीड़न और धर्मांतरण का खुला खेल फरूखाबादी चलने लगा। काल प्रवाह वश विभिन्न हिन्दू मंदिर को तोड़कर मस्जिदों में बदल दिया गया। ऐसे में मुस्लिम और ब्रिटिश गुलामी से मुक्त हुए भारत और अपने हिस्से का भूखंड लेकर पाकिस्तान चले गए मुसलमानों से इतर सन 1947 में भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाता और अतिक्रमित मंदिरों के जीर्णोद्धार का अभियान चलाया जाता। लेकिन हुआ इसके बिल्कुल उल्टा! कारण नेहरू और इंदिरा सरकार की गलत और अप्रासंगिक नीतियां, जो बाद में उनके उत्तराधिकारियों ने भी जारी रखी।

वह यह कि अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति वश कांग्रेस ने देश को धर्मनिरपेक्ष घोषित कर दिया और अल्पसंख्यक हितों को संरक्षित करने वाली कानून बनाने लगी। इससे ज्यादातर हिन्दू ठगे रह गए। उसके साथ ही सांप्रदायिक दंगे आसेतु हिमालय की नियति बन गई। सन 1947, इससे पहले और बाद के सांप्रदायिक दगों का चरित्र एक रहा और प्रशासनिक नीतियों का असमंजस भी। इसी ऊहापोह के बीच हिंदुओं में उपजी मंदिरों के वापसी की आकांक्षाओं ने उन्हें एकजूट कर दिया, जिसको कुचलने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने प्लेसेज़ ऑफ़ वर्शिप (स्पेशल प्रोविज़न) एक्ट, 1991 या उपासना स्थ्रथल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 को लागू किया गया।

बता दें कि यह भारत की संसद का एक अधिनियम है, जिसको 18 सितंबर, 1991 को पारित किया गया। यह अधिनियम 15 अगस्त 1947 तक अस्तित्व में आए हुए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को एक आस्था से दूसरे धर्म में परिवर्तित करने पर और किसी भी स्मारक के धार्मिक आधार पर रखरखाव पर रोक लगाता है। इससे लगभग 1800 उन हिन्दू मंदिरों के जीर्णोद्धार का सवाल दम तोड़ गया, जिसकी कब्र पर आज

मस्जिदें लहलहा रही हैं। वहीं, मान्यता प्राप्त प्राचीन स्मारकों पर उक्त कानून की धाराएं लागू नहीं होंगी। लिहाजा, अब इसी कट ऑफ डेट पर सवाल उठ रहा है।

हिंदुओं का सवाल यह कि कट ऑफ डेट 15 अगस्त 1947 ही क्योंष्ट्र प्रथम मुस्लिम आक्रांता से जुड़ा वर्ष 712 ईस्वी क्यों नहींष्ट्र या फिर लगभग 1200 ई क्यों नहीं, जब दिल्ली सल्तनत अपनी पूरी हिन्दू विरोधी फितरत में दिखाई पड़ती थीष्ट्र क्या सनातन भूमि को इस्लामिक भूमि में तब्दील करने में हमारी संसद भी सिर्फ इसलिए दिलचस्पी लेने लगी, ताकि नेहरू-गांधी परिवार विशेष को खुश रखा जा सके।वहीं, सत्ता की गरज से आरएसएस भी वही भाषा बोल रहा है और कह रहा है कि सभी मस्जिदों में शिवलिंग खोजना गलत है। इससे बीजेपी को सियासी सहूलियत मिल रही है।लेकिन मूल मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाया जा रहा है। यदि आप कुछ पुस्तक और वेबसाइट पर नजर डालेंगे तो हिन्दू मंदिरों की अकाल मौत पर तथ्यात्मक विवरण उपलब्ध है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्ष 1990 में इतिहासकार सीता राम गोयल ने अन्य लेखकों अरुण शौरी, हर्ष नारायण, जय दुबाशी और राम स्वरूप के साथ मिलकर 'हिंदू टेम्पल- व्हाट हैपन्ड टू देम' नामक दो खंडों की किताब प्रकाशित की थी।

उसमें गोयल ने 1800 से अधिक मुस्लिमों द्वारा बनाई गई इमारतों, मस्जिदों और विवादित ढाँचों का पता लगाया था, जो मौजूदा मंदिरों/या नष्ट किए गए मंदिरों की सामग्री का इस्तेमाल करके बनाए गए थे। कुतुब मीनार से लेकर विवादास्पद बाबरी मस्जिद, ज्ञानवापी विवादित ढाँचे, पिंजौर गार्डन और अन्य कई का उल्लेख इस किताब में मिलता है। इससे बाबरी मस्जिद मामले में ही हिंदुओं को न्यायालय के द्वारा न्याय मिली है, जबकि अन्य सारे सवाल अनुत्तरित हैं! इससे संसदीय भूमिका भी जनमानस के कठघरे में खड़ी है।

लैप्स बीमा पॉलिसी के पैसे दिलाने 48 लाख की ठगी

कॉल सेंटर से खरीदे मोबाइल नंबर-डेटा, फिर लोगों को फोन कर बनाया शिकार, 3 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेंज साइबर पुलिस ने 48 लाख 42 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के सरगना समेत 3 आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य कॉल सेंटर से लोगों के मोबाइल नंबर और डेटा खरीदते थे और फिर उन्हें लैप्स बीमा पॉलिसी और निवेश में फंसे पैसे दिलाने के बहाने अपना शिकार बनाकर ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर कराते थे। एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि सारंगढ़ के सुभाष चंद्र (62) ने रेंज साइबर थाने में धोखाधड़ी की शिकायत की। उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल कर इंश्योरेंस पॉलिसी का पैसा वापस दिलाने का झांसा दिया गया। इस दौरान अलग-अलग फार्मेल्टी कराने के साथ ही अनापत्ति प्रमाणपत्र के नाम पर 48 लाख 42 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराए गए। जिस पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई।

बैंक स्टेटमेंट और तकनीकी जांच कर पुलिस ने की रेड: उन्होंने बताया कि आईजी डॉ. संजीव शुक्ला ने एंटी साइबर एंड क्राइम यूनिट की टीम को आरोपियों की पतासाजी के लिए लगाया। इस दौरान बैंक खाते का स्टेटमेंट लेकर मोबाइल नंबरों की जांच शुरू की। ठगी की रकम हासिल कर ठग द्वारा इस्तेमाल किए गए बैंक खाते और एटीएम की जानकारी हासिल की। तकनीकी जांच में आरोपियों का लोकेशन दिल्ली और उत्तर प्रदेश में मिला।

पांच दिनों तक डेरा डाला, तब पकड़ाए आरोपी: पुलिस की टीम दिल्ली, उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची और आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार पांच दिनों तक टीम वहां रही। इस दौरान पहले आरोपी कुलदीप सिंह को उसके नोएडा स्थित घर से पकड़ा।

जिसके बाद उससे पूछताछ की और फिर उसकी निशानदेही पर नीतेश कुमार को नोएडा और तीसरे आरोपी शैलेश मिश्रा को दक्षिण दिल्ली से पकड़ा गया। उनसे पुलिस को कई फर्जी बैंक खातों के पास बुक, सिम कार्ड व एटीएम कार्ड मिले।

कॉल सेंटर से खरीदते थे मोबाइल नंबर और डेटा: पूछताछ में आरोपी कुलदीप ने पुलिस को बताया कि, सभी मिलकर कॉल सेंटर से लोगों का मोबाइल नंबर और डेटा खरीदते थे। इसके बाद शैलेश व उसका भाई मनीष मिश्रा खुद के फर्जी कॉल सेंटर से लोगों को कॉल करते थे। उन्हें लैप्स हो चुके इंश्योरेंस और निवेश में फंसी हुई रकम वापस दिलाने की बात कहते थे। उनसे रुपए लेने के बाद फर्जी बैंक खाते के एटीएम और रजिस्टर्ड नंबर से रकम निकालते थे।

तीनों ठगों की संपत्ति भी जब्त करने की तैयारी: पुलिस धारा 107 के तहत सरगना समेत तीनों ठगों की संपत्ति जब्त करने की तैयारी कर रही है। एसपी रजनेश सिंह ने मामले में एंड टू एंड कार्रवाई करते हुए फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने टीम में शामिल पुलिस अधिकारी व जवानों की सराहना भी की है।

पुलिस की अपील, ठगी से ऐसे बचे लोग: अनजान नंबरों से आए कॉल और संदिग्ध व्यक्तियों से दूरी बनाए रखें।

बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, आधार और पैन कार्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करें।

फर्जी निवेश, सस्ते सामान या अधिक मुनाफे का लालच देने वाले फोन काल और मैसेज से सतर्क रहें।

अनाधिकृत ऐप या वेबसाइट डाउनलोड करने से बचें।

किसी भी धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज करें या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

घर में सिलेंडर ब्लास्ट से जिंदा जला कारोबारी

पहले पत्नी को मारा चाकू, फिर घर को जलाया, पुलिसकर्मी समेत 5 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में एक कारोबारी सिलेंडर ब्लास्ट में जिंदा जल गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। कारोबारी को बचाने घुसे पुलिसकर्मी और पड़ोसी समेत 5 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र के रामेश्वर नगर का है।

घटना शुक्रवार रात 11 बजे के आसपास की है। खमतराई पेट्रोलिंग पुलिस को सूचना मिली कि रामेश्वर नगर में एक पति, पत्नी के बीच विवाद हुआ है। पति बी अमरेश्वर राव (45) ने अपनी पत्नी संध्या के गले पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद घर को आग के हवाले कर दिया।

पड़ोसियों के घर पर छिपकर बचाई जान: घटना के बाद पत्नी अपने बच्चों के साथ जान बचाकर पड़ोसियों के घर पर भागी, जहां छिपकर अपनी जान बचाई। उसके गले में गहरी चोट लगी है। लहूलुहान हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जो खतरे से बाहर है।

सिलेंडर में विस्फोट से अमरेश्वर की मौत: बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर में विस्फोट से घर में चारों तरफ आग फैल गई। आग की लपटों में 2 सिपाही हेमंत गिलहरे और विकास सिंह चोटिल हो गए हैं। इसके अलावा दो पड़ोसी विक्रम ठाकुर और चेतन दास भी घायल हुए हैं। विस्फोट में घर में रखी बाइक, कूलर समेत कई अन्य सामान जलकर राख हो गए हैं।

लंबे समय से डिस्टर्ब था कारोबारी: अमरेश्वर राव मूल रूप से मनेंद्रगढ़ का रहने वाला था, जो रायपुर में कार एसेसीरीज की शॉप चलाता था। वह दुकान बंद हो गई, जिसके बाद से वो लगातार परेशान चल रहा था। इसके बाद उसने मनेंद्रगढ़ में दुकान खोली।

उसकी पत्नी अपनी 7 साल की बेटी के साथ रायपुर में ही रहती है। दोनों का एक बेटा भी है, जो मनेंद्रगढ़ में पिता के साथ रहता था।

पुलिस ने बताया कि पहले भी विवाद हुआ था: मामले में उरला सीएसपी अमन झा ने बताया कि दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद के कुछ महीने पहले भी सूचना मिली थी। इसके बाद थाने की टीम ने जाकर दोनों पक्षों को समझाया था। देर रात विवाद की सूचना मिलते ही थाने की पेट्रोलिंग पहुंची थी। इसी दौरान सिलेंडर ब्लास्ट होने से आग फैल गई। ब्लास्ट के बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग का काबू पाया गया। आग कंट्रोल होते ही घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

युवती ने स्कूटी में लगाई आग

घर के बाहर खड़ी स्कूटी पूरी तरह जली, युवती की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। अंबिकापुर के चांदनी चौक के पास एसके सेनेटरी दुकान के बाहर खड़ी दो स्कूटी में शुक्रवार रात युवती ने आग लगा दी। आग में एक स्कूटी पूरी तरह जल गई। पास में खड़ी दूसरी स्कूटी भी आग में क्षतिग्रस्त हो गई। पूरी घटना दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गई है। जिसके आधार पर युवती की तलाश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, जिस अनु शर्मा की गाड़ी है, वो एक निजी कंपनी में अकाउंटेंट का काम करती है। शनिवार सुबह दुकान के संचालक कलीम अंसारी को लोगों ने फोन कर सूचना दी कि उनकी दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी में आग लगी है। जब तक वे मौके पर पहुंचे, अनु शर्मा की स्कूटी पूरी तरह से जल गई थी। पास खड़ी दूसरी स्कूटी भी आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई।

सीसीटीवी कैमरों में दर्ज हुई घटना: एसके सैनिटरी दुकान के संचालक ने जब सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की तो सुबह करीब पांच बजे एक युवती स्कूटी में आग लगाते दिखी। युवती ने अनु शर्मा के स्कूटी के पास खड़ी एक स्कूटी को पीछे किया और अनु शर्मा के स्कूटी में आग लगा दी।

घटना की सूचना कोतवाली थाने में दे दी गई है। युवती का चेहरा स्पष्ट नहीं है। वह गर्म कपड़ों के साथ ही चेहरे में भी स्कार्फ बांधे हुए नजर आ रही है।

रंजिश पर आगजनी की आशंका: माना जा रहा है कि आग लगाने वाली युवती ने रंजिशवश अनु शर्मा की स्कूटी में आग लगाई है। हालांकि अनु शर्मा आग लगाने वाली युवती को पहचान नहीं सकी। अनु शर्मा ने कहा कि उसकी किसी से ऐसी रंजिश नहीं है।

सैनिटरी दुकान के संचालक कलीम अंसारी ने कहा कि लंबे समय से लोग उनकी दुकान के सामने रात में गाड़ियां खड़ी करते हैं, जिनके घर में स्कूटी रखने की जगह नहीं है। यह घटना रंजिशवश हो सकती है।

रात में बंदूक पकड़कर घूम रहा शख्स

सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- चोर मॉडर्न हो गए, पुलिस बोली- जांच करेंगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में रात में बंदूक पकड़कर घूम रहे शख्स का वीडियो वायरल हो रहा है। इस सीसीटीवी वीडियो को शेयर कर एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा कि टाटीबंध इलाके में चोर मॉडर्न हो गए है। सर्दी आते ही इनका सीजन चालू हो गया है। अब ये बंदूक लेकर घूम रहे हैं। अब आमानाका पुलिस मामले की जांच करने की बात कह रही है।

प्रशांत नाम के व्यक्ति ने बुधवार को सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है। उसने लिखा कि, अब तो टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़ की गलियों में कर बंदूक लेकर घूमने लगे है। यह भी मॉडर्न हो गए हैं सर्दियों के साथ इनका भी सीजन चालू हो गया। आप लोग भी तैयार हो जाए पड़ोसियों से संवाद स्थापित करें। हालात से निपटने को तैयार हो जाए। फोन पर पुलिस का एमरजेंसी नंबर सेव करें सीसीटीवी फुटेज चेक करते रहे।

सीसीटीवी में सफेद शर्ट पहने आया नजर: सीसीटीवी वीडियो में साफ दिख रहा है कि व्यक्ति ने सफेद शर्ट पहना है। उसने हाथ में बंदूक पकड़ा है। वो सड़क पर इधर-उधर घूम रहा है। वीडियो रात करीब पौने 2 बजे का है। सड़क पर दो कार भी खड़ी हुई है। इसके अलावा युवक के आसपास के डॉग्स दूर भाग रहे हैं।

पुलिस बोली- जांच करेंगे: इस मामले में आमानाका थाना प्रभारी सुनील दास ने कहा कि, कॉलोनी वालों ने पुलिस को सीसीटीवी सौंपा है।

बत्ती लगाकर डिप्टी सीएम के काफिले में घुसने वाला गिरफ्तार, पहले की चालानी कार्रवाई फिर किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव के काफिले में नीली बत्ती लगाकर घुसने वाले आरोपी वाहन चालक को उतई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने पहले उसके खिलाफ चालानी कार्रवाई की, लेकिन जब भास्कर ने इस खबर को प्रमुखता से उठाया तो उसके बाद उतई पुलिस ने फिर से आरोपी को गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेजा। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि 10 दिसंबर को उप मुख्यमंत्री अरुण साव दुर्ग प्रवास पर थे। इस दौरान उतई थाना क्षेत्र अंतर्गत सेलूद गांव के पास से जब वो गुजरे तो एक नीली बत्ती लगी इनोवा गाड़ी सीजी 07सीजे9968 उनके काफिले में घुस गई और उनके साथ साथ चलने लगी।

नीली बत्ती लगी गाड़ी का वाहन चालक इतनी लापरवाही से गाड़ी चला रहा था कि उसने बिना की डर और भय के सीधे खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते हुए डीप्टी सीएम के काफिले में घुस गया। इसके बाद वो काफिले के साथ साथ भिलाई की तरफ जाने लगा। जब इसकी जानकारी ट्रैफिक पुलिस के एएसआई राजुकमार दबे को हुई तो उन्होंने तुरंत उस गाड़ी को रुकवाया। पूछताछ करने पर ड्राइवर ने अपना नाम दया सिंह राजपूत निवासी तालपुरी भिलाई बताया। उसने बताया कि उसकी गाड़ी पहले पुलिस विभाग में लगी थी। एक सप्ताह पहले वहां से निकली, लेकिन वो नीली बत्ती नहीं हटाया और उसे लगाए लगाए ही बुकिंग करने लगा। उतई पुलिस ने धारा 281, 125 बीएनएस एवं मोटरयान अधिनियम की धारा 108, 177, 184 के तहत् मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेजा।

बड़ी पहुंच के चलते चालक पर कार्रवाई मालिक को छोड़ा: दुर्ग पुलिस ने उप मुख्यमंत्री के काफिले में नीली बत्ती लगाकर चलाने के आरोप में ड्राइवर पर तो कार्रवाई कर दी, लेकिन ऊंची पहुंच के चलते गाड़ी के मालिक पर कोई कार्रवाई नहीं की।

सफाई कर्मी ने उद्यान अधिकारी को पीटा, निगम आयुक्त ने मामले पर लिया संज्ञान किया सस्पेंड

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। भिलाई नगर निगम के सफाई कर्मचारी ने वहां के उद्यान अधिकारी से झगड़ा कर डाला। उसने ना सिर्फ उद्यान अधिकारी से गाली गलौज किया, बल्कि उसके साथ मारपीट भी किया। जब ये बात निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को पता चली तो उन्होंने सफाई कर्मी को सस्पेंड कर दिया।

नगर निगम भिलाई के जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक निगम के उद्यान विभाग में पदस्थ सफाई कर्मचारी संतोष कुमार ने उद्यान अधिकारी तुलेश्वर साहू के साथ गाली गलौज और मारपीट की है। उद्यान अधिकारी ने इसकी शिकायत निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय से की। इसके बाद आयुक्त ने सफाई कर्मचारी को निलंबित कर दिया।

आयुक्त ने कहा कि नगर निगम भिलाई के उद्यान विभाग में कार्यरत नियमित कर्मचारी संतोष कुमार के खिलाफ कई शिकायतें मिल चुकी थी। उसकी लगातार अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बढ़ती जा रही थी। वह आए दिन शराब पीकर ड्यूटी पर आता था और ना खुद काम करता था और ना दूसरों को काम करने देता था। इस पर उद्यान अधिकारी तुलेश्वर साहू ने उसे कई बार चेतावनी दी और समय पर बिना नशे के ड्यूटी आने को कहा। इसके बाद भी संतोष कुमार अपनी मर्जी से नशे की हालत में ड्यूटी आता रहा। इसके बाद काम नहीं करने के कारण तुलेश्वर साहू ने उसका वेतन काट दिया।

जब संतोष कुमार का वेतन कटकर आया तो वो इतना क्रोधित हो गया कि वो तुलेश्वर साहू से झगड़ा करने चला गया। वो उसके पास जाते ही गाली गलौज करने लगा। जब तुलेश्वर ने उसे मना किया तो उसने उसके साथ मारपीट भी की।

नोटिस का संतोष जनक जवाब ना देने पर की कार्रवाई: जब ये शिकायत निगम आयुक्त के पास पहुंची तो उन्होंने इसे घोर अनुशासनहीनता बताया और उसको कारण बताओ नोटिस जारी किया। जब सफाई कर्मी संतोष कुमार ने नोटिस का संतोष जनक जवाब नहीं दिया तो उन्होंने उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन के दौरान उसे जोन क्रमांक 4 शिवाजी नगर में अटैच किया गया है।

सभी कर्मचारियों को जारी किया निर्देश: इस घटना के बाद निगम आयुक्त पाण्डेय ने सभी कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि उनके रहते वो किसी प्रकार की अभद्रता या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेंगे। सभी को समय पर ड्यूटी आने का निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि सभी अपने उच्च अधिकारी के निर्देश का पालन करना है। ऐसा न करने पर उनके खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैगा बहुल ग्राम कन्नौज की प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को बांटे गए गर्म कपड़े

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। भरतपुर विकासखंड के बैगा बहुल ग्राम कन्नौज में बढ़ती ठंड को देखते हुए प्राथमिक विद्यालय कन्नौज में शाला प्रबंधन समिति और शिक्षकों के संयुक्त प्रयास से बच्चों को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। इस पहल में विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहम्मद इस्माइल खान, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुदर्शन पैंकरा, संकुल समन्वयक रमेश पटेल और विद्यालय के सभी शिक्षकों ने भाग लिया।

गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को स्वेटर और अन्य गर्म कपड़े वितरित किए गए। इस नेक कार्य से बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने लायक थी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गर्म कपड़े पाकर मुस्कुराते हुए अपनी खुशी साझा की। शिक्षकों और अधिकारियों ने भी उनकी हौसला-अफजाई की और आगे भी इस तरह के सहयोग जारी रखने का भरोसा दिलाया।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 की आरक्षण प्रक्रिया का विस्तृत कार्यक्रम 17 को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ पंचायत राज अधिनियम 1993 छत्तीसगढ़ पंचायत (उपसरपंच अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष) निर्वाचन नियम 1995 एवं छत्तीसगढ़ निर्वाचन नियम 1995 के अनुशांगिक प्रावधानों के तारतम्य में एतद द्वारा सर्व साधारण की जानकारी के लिये सूचित किया जाता है कि जिले के खण्ड भरतपुर, खड़गवां और मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत के सरपंच/पंच पदों के प्रवर्गवार एवं महिला लॉटों के प्रवर्गवार स्थानों के आवंटन/आरक्षण के लिये नियमानुसार कार्यवाही के प्रयोजन हेतु कार्यवाही कलेक्टर जिला एमसीबी द्वारा किये जाने का विवरण निम्नानुसार है। स्थान खण्ड मुख्यालय भरतपुर के सभा कक्ष में कार्यवाही 17 दिसम्बर 2024 को 11 बजे से किया जाएगा। वहीं खण्ड मुख्यालय खड़गवां के सामुदायिक भवन में कार्यवाही 17 दिसम्बर 2024 को 11 बजे से और खण्ड मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के जनपद सभा कक्ष में कार्यवाही 17 दिसम्बर 2024 को 11 बजे से किया जाएगा । उपरोक्त वर्णित कार्यवाही के समय सर्व साधारण की जानकारी एवं नियमानुसार आरक्षण की कार्यवाही में साक्ष्य के रूप में उपस्थिति हेतु सूचना प्रकाशित की जाती है। साथ ही त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2024-25 अंतर्गत ग्राम पंचायतों के वार्डों का प्रवर्गवार आरक्षण तथा महिला सरपंच का लॉट के माध्यम से आरक्षण की कार्यवाही स्तम्भ (4) में अंकित स्थलों पर सम्पन्न की जावेगी। उक्त कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न करने हेतु निम्न सारणी के स्तम्भ (2) में अंकित अधिकारी को स्तम्भ (3) में अंकित जनपद पंचायतों के अंतर्गत ग्राम पंचायतों के वार्डों का प्रवर्गवार आरक्षण एवं महिला सरपंच पदों के आरक्षण हेतु प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया जाता है। जिसमें अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भरतपुर की बैठक जनपद पंचायत भरतपुर के सभा कक्ष में 17 दिसंबर 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे से होगा। वहीं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ का बैठक 17 दिसम्बर 2024 को जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ के सभा कक्ष में पूर्वाह्न 11 बजे से और अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खडगंवा का बैठक खण्ड मुख्यालय खडगंवा के सामुदायिक भवन में पूर्वाह्न 11 बजे से होगा। प्रभारी अधिकारी उक्त कार्य को सम्पन्न करने हेतु अपने सहयोग के लिये संबंधित अनुभाग अंतर्गत जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार, वरिष्ठ/आंतरिक/सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण व करारोपण अधिकारी एवं आवश्यकतानुसार अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगायें। प्रवर्गवार लॉट निकालने एवं संबंधित प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराया जाना सुनिश्चित करने के लिए निर्देश किया गया है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के आरक्षण की प्रक्रिया 19 को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में होगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 छत्तीसगढ़ पंचायत (उपसरपंच, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष) निर्वाचन नियम 1995 एवं छत्तीसगढ़ निर्वाचन नियम 1995 के अनुशांगिक प्रावधानों के तारतम्य में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिले के जिला पंचायत के सदस्य, जनपद पंचायत के अध्यक्ष, सदस्य के प्रवर्गवार एवं महिला लॉटों के प्रवर्गवार स्थानों के आवंटन/आरक्षण हेतु नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। यह कार्यवाही कलेक्टर जिला एमसीबी द्वारा आगामी 19 दिसंबर 2024 को कलेक्ट्रेट कार्यालय, मनेंद्रगढ़ के सभा कक्ष में सुबह 11 बजे से की जाएगी। उपरोक्त वर्णित प्रक्रिया में साक्ष्य के रूप में सर्वसाधारण की उपस्थिति हेतु यह सूचना प्रकाशित की जाती है। वही त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2024-25 के अंतर्गत जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के निर्वाचन क्षेत्रों का प्रवर्गवार आरक्षण तथा लॉट निकालकर महिला आरक्षण की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। उक्त कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करने हेतु जिला पंचायत एमसीबी के निर्वाचन क्षेत्र, जिला पंचायत सदस्य एवं समस्त जनपद पंचायतों के महिला अध्यक्ष पदों का आरक्षण और समस्त जनपद पंचायतों के जनपद निर्वाचन क्षेत्र के जनपद सदस्यों का आरक्षण किया जाएगा। इस प्रक्रिया के प्रभारी अधिकारी अनिल कुमार सिदार, अपर कलेक्टर एवं प्रभारी परियोजना निदेशक, जिला एमसीबी को नियुक्त किया गया है। कार्यवाही के दौरान संबंधित अनुभाग के जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार, वरिष्ठ/आंतरिक/सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण व करारोपण अधिकारी एवं अन्य आवश्यक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रवर्गवार लॉट निकालने एवं संबंधित प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराए जाने का निर्देश भी दिया गया है। आरक्षण प्रक्रिया का समय 19 दिसंबर 2024 को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभा कक्ष, मनेंद्रगढ़ में दोपहर 12:00 बजे निर्धारित किया गया है।

एक जमीन को दो बार बेचकर 10 लाख की धोखाधड़ी

पुलिस ने आरोपी को भिलाई से किया गिरफ्तार, ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा गया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में एक ही जमीन को दो बार बेचने के मामले में सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी को भिलाई में पकड़ा है। आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए अपना मोबाइल बदल दिया था, लेकिन साइबर सेल की मदद उसका लोकेशन भिलाई में मिला। जिस पर सिविल लाइन पुलिस ने वहां पहुंचकर उसे गिरफ्तार किया।

रजिस्ट्री बाद कब्जा लेने गया तब पता चला: छतौना निवासी राजेंद्र साहू ने सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्रीन पार्क सिटी जरहाभाठा के एनोश प्रकाश (37 वर्ष) ने ग्राम छतौना पटवारी हल्का नंबर 37 के खसरा नंबर 1078/12क में से 2205 वर्ग फीट जमीन का सौदा 10 लाख रुपए में किया था। 26 फरवरी 2015 को उसने इसकी रजिस्ट्री भी कराई। उसके बाद डायवर्सन, नामांतरण भी कराया लेकिन जब कब्जे के लिए गया तो पता चला कि उक्त जमीन में पूर्व से ही पवन तिवारी, गगन तिवारी का कब्जा है। राजेंद्र साहू के मुताबिक, बिक्रीशुदा जमीन के बारे में जब राजेंद्र साहू ने जानकारी ली तो पता चला कि खसरा नंबर 1078/12क रकबा 0.154 हैक्टेयर संपूर्ण जमीन को आरोपी एनोश प्रकाश पूर्व में ही पवन तिवारी, गगन तिवारी के पास बेच चुका है। इस प्रकार आरोपी ने धोखाधड़ी कर राजेंद्र साहू से विक्रय की जा चुकी जमीन के नाम पर 10 लाख रुपए हड़प लिए।

रिपोर्ट होते ही आरोपी भागा: सिविल लाइन पुलिस ने शिकायत की जांच कर एनोश प्रकाश के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना की। आरोपी को अपने विरुद्ध एफआईआर होने की जानकारी मिली तो वह फरार हो गया। उसने अपना मोबाइल नंबर भी बदल दिया, जिस पर सिविल लाइन पुलिस ने साइबर सेल की सहायता से आरोपी को वैशाली नगर भिलाई स्थित किराए के मकान से गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया है।

8 जिलों में अगले दो दिन शीतलहर का अलर्ट

जशपुर में जमी ओस की बूंदें, दुर्ग में रात का पारा सामान्य से 5 डिग्री कम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दो दिन यानी आज (शनिवार) और कल (रविवार) को 8 जिलों गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, मुंगेली, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और दुर्ग जिले में शीतलहर चलने की संभावना है। मैनपाट के बाद अब जशपुर के बगीचा इलाके में ओस की बूंदें जम गई हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

केजरीवाल का शाह को लेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखकर राजधानी में बढ़ते अपराधों और बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने गृह मंत्री से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तत्काल समय देने की मांग की है। लेटर में केजरीवाल ने दिल्ली को %अपराध की राजधानी% बताते देते हुए महिलाओं के खिलाफ अपराध, जबरन वसूली, ड्रग्स माफिया और दिनदहाड़े होने वाली हिंसक घटनाओं का हवाला दिया। साथ ही यह सवाल भी पूछा कि रोज-रोज स्कूल और कॉलेजों में बम की नकली धमकी देने वाले पकड़े क्यों नहीं जा रहे?

लालकृष्ण आडवाणी आईसीयू में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वे आईसीयू में भर्ती हैं। अस्पताल के मुताबिक उनकी हालत स्थिर है। 97 साल के आडवाणी को करीब दो दिन पहले अस्पताल लाया गया था। उनके परिवार ने बताया कि उन्हें सर्दी-खांसी की परेशानी हुई थी, जो पॉल्यूशन के चलते और बढ़ गई। फिलहाल उन्हें 48 घंटे के लिए न्यूरोलॉजी विभाग में डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में रखा गया हैं। कल के बाद उन्हें डिस्चार्ज किया जा सकता है। इससे पहले, 26 जून को एम्स दिल्ली में यूरोलॉजी डिपार्टमेंट की निगरानी में उनका एक छोटा ऑपरेशन हुआ था। अगले दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। करीब एक हफ्ते बाद 3 जुलाई को रात 9 बजे अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अपोलो में भर्ती कराया गया था। हालांकि, एक दिन बाद ही वे घर आ गए थे। इसके बाद 6 अगस्त को भी उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी ने बताया था कि उन्हें रूटीन चेकअप के लिए हॉस्पिटल ले गए थे।

बिहार में उद्योग लगाने के लिए मिले 3,800 से अधिक प्रस्ताव

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि 2016 में प्रगतिशील औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति लागू होने के बाद से राज्य में कारखाने लगाने के लिए 3,800 से अधिक प्रस्ताव मिले हैं। बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति, 2016 निवेशकों को कई तरह के प्रोत्साहन देती है। इसमें ब्याज सब्सिडी से लेकर राज्य जीएसटी की प्रतिपूर्ति, स्टांप ड्यूटी माफी, निर्यात सब्सिडी और परिवहन, बिजली तथा भूमि शुल्क में रियायतें शामिल हैं। राज्य ने निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड भी बनाया। मुख्य सचिव ने कहा, 2016 से अब तक पिछले नौ वर्षों में प्रोत्साहन नीति के कारण उद्योग से भारी प्रतिक्रिया मिली है। इसके बाद सरकार ने क्षेत्रवार नीतियों को मंजूरी दी है। इसलिए, विभिन्न क्षेत्रों से राज्य औद्योगिक प्रोत्साहन बोर्ड को विचार के लिए 3,800 से अधिक प्रस्ताव मिले हैं और 3,100 प्रस्तावों को प्रथम चरण की मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, 780 से अधिक उद्योग चालू हो चुके हैं, जो लगभग 34,000 लोगों को रोजगार दे रहे हैं। अब तक लगभग 8,000 करोड़ रुपए का निवेश आया है। उन्होंने कहा कि ये उद्योग मुख्य रूप से खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, आईटी और सीमेंट क्षेत्रों से हैं।

पर्यटन विविधताओं से समृद्ध है हमारा मध्यप्रदेश-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन विविधताओं से भरपूर है। रेवांचल में सरसी आईलैंड देखने पर गोवा और अंडमान निकोबार की अनुभूति हो रही है। हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन विविधताओं और विभिन्न विशिष्टताओं से भरा हुआ है, प्रदेश का पर्यटन दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश में जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। इसमें प्रतिदिन विकास के नये आयाम रचे जा रहे हैं। जनकल्याण पर्व में प्रतिदिन नई शुरूआत की जा रही है। पर्यटन विकास निगम व्दारा 29 करोड रूपये की लागत से बाण सागर के टापू में 5 हेक्टेयर में सरसी आईलैंड को खूबसूरती से विकसित किया गया है। इससे प्रदेश के पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव शहडोल जिले में बाण

सागर डैम में स्थित सरसी आईलैंड के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पर्यटन एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, ब्यौहारी विधायक शरद कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभा मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरसी आईलैंड के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये इसे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व तथा संजय नेशनल पार्क से जोड़ा जायेगा। बाणसागर डैम में जल पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विंन्ध्य क्षेत्र की बाल कलाकार (गायिका) सुश्री मान्या पांडे से मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने मान्या को 51 हजार रूपये का पुरस्कार देने की घोषणा भी की। उन्होंने सरसी आईलैंड में आये जनजातीय लोक कलाकारों के साथ झांझ-करतल भी बजाया।

राहुल बोले-द्रोणाचार्य की तरह युवाओं-किसानों का अंगूठा काट रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में शनिवार को लगातार दूसरे दिन संविधान पर चर्चा चल रही है। आज शुरुआत संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजु ने की। इसके बाद ष्ठरूब्ध सांसद ने कहा कि भाजपा हिंदू राष्ट्र बनाना चाहती है। इस पर विवाद हुआ। भाजपा ने कहा कि आप सबूत दीजिए।

राहुल गांधी की स्पीच हुई। वे करीब 25 मिनट बोले। राहुल सावरकर पर बोले, एकलव्य-द्रोणाचार्य की कहानी सुनाई। भाजपा सरकार पर युवाओं का अंगूठा काटने का आरोप लगाया। राहुल ने

कहा- जैसे एकलव्य का अंगूठा काटकर द्रोणाचार्य ने उनका हुनर ले लिया था। उसी तरह भाजपा सरकार अग्निवीर से युवाओं का अंगूठा काट रही है। अडाणी को सारे कारोबार, इंडस्ट्री, पोर्ट, एयरपोर्ट देकर किसानों और युवाओं का गला काटा जा रहा है।

राहुल के बयान पर युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- आप अंगूठा काटने की बात कर रहे हैं। आपकी सरकार में तो सिखों के गले काटे गए, आपको देश से माफी मांगनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी की स्पीच शाम 5ः30 बजे संविधान पर सभी नेताओं की स्पीच के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में अपना जवाब देंगे।

एक देश-एक चुनाव बिल सोमवार को लोकसभा में आएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव से जुड़े 2 बिल पेश करेगी। इन दोनों बिल को 12 दिसंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी भी मिल चुकी है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जन राम मेघवाल पहले एक देश-एक चुनाव के लिए 129वां संविधान संशोधन बिल पेश करेंगे।

संविधान संशोधन के जरिए 1 नया अनुच्छेद जोड़ने और 3 अनुच्छेदों में संशोधन करने की व्यवस्था की जाएगी। सरकार एक देश-एक चुनाव मुद्दे पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा बिल को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी ग को भेजे

जाने की संभावना है।

इसके अलावा दूसरा बिल केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े 3 कानूनों में संशोधन का है।

इसमें द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट-1963, द गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली- 1991 और द जम्मू एंड कश्मीर रिऑर्गनाइजेशन एक्ट- 2019 शामिल हैं। इस दूसरे बिल के जरिए जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए भी संशोधन किया जा सकता है।

एक देश-एक चुनाव पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर, 2023 को एक कमेटी बनाई गई थी।

दिल्ली- विधानसभा चुनाव से पहले ईसी का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईसी ने इलेक्शन से पहले आदेश जारी किए हैं। उन्होंने यह निर्देश आप और बीजेपी की चिंताओं और सवालों को लेकर जारी किया है। आयोग ने दिल्ली के ईवीएम को निर्देश दिया है कि वे इन चिंताओं से खुद को दूर करें।

चुनाव आयोग ने दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया है कि वे वोटर लिस्ट से जुड़े मुद्दों को सुलझाएं। आप के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मिलकर इस बात पर आपत्ति जताई थी कि बड़ी

संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। यह सारा काम बीजेपी के कहने पर हो रहा है। हालांकि बीजेपी ने इस बात की डिमांड रखी थी कि लिस्ट से अवैध प्रवासियों और %घोस्ट वोटर्स% को सूची से हटाया जाए। चुनाव आयोग का कहना है कि अगर किसी वोटिंग सेंटर वोटर्स को हटाने की दर 2 प्रतिशत से ज़्यादा होती है। एक ही व्यक्ति द्वारा पांच बार से ज्यादा आपत्तियां दर्ज की जाती हैं, तो इस प्रक्रिया की पुनः जांच की जाएगी।

इसके अलावा सीईओ दिल्ली की वेबसाइट पर राजनीतिक दलों के साथ दावे और आपत्तियों की सूचियों का नियमित आदान-प्रदान भी अपलोड करना ज़रुरी होगा।

5 साल में रोड एक्सीडेंट में 7.77 लाख मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में 5 साल में सड़क हादसों में 7.77 लाख मौतें हुई हैं। सबसे ज्यादा 1.08 लाख मौतें उत्तर प्रदेश में हुई हैं। इसके बाद तमिलनाडु 84 हजार मौत और महाराष्ट्र 66 हजार मौत के साथ दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तरफ से जारी किए गए 2018 से 2022 के डेटा के आधार पर रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे मिनिस्ट्री ने 'रोड एक्सीडेंट इन इंडिया, 2022' रिपोर्ट जारी की है।

इसके मुताबिक, 2021 में देश में सड़क हादसों में 1,53,972 मौतें हुई थीं, जो 2022 में बढ़कर 1,68,491 हो गईं।

बता दें कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 12 दिसंबर को कहा था कि दुनिया में सड़क हादसों को लेकर सबसे खराब रिकॉर्ड हमारा है। जब भी मैं किसी अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शामिल होने जाता हूं और वहां सड़क

हादसों को लेकर बात होती है, तो मैं अपना मुंह छुपाने की कोशिश करता हूं।

2022 में देश में 4.61 लाख रोड एक्सीडेंट हुए रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में देश में कुल 4,61,312 सड़क हादसे दर्ज किए गए, जिनमें से 1,55,781 (33.8त्न) जानलेवा थे। इन हादसों में 1,68,491 लोगों की मौत हुई और 4,43,366 लोग घायल हुए। 2021 की तुलना में 2022 में कुल सड़क हादसों में 11.9त्न का इजाफा हुआ।

महाराष्ट्र में फडणवीस कैबिनेट का विस्तार 15 दिसंबर को

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में फडणवीस सरकार की कैबिनेट का विस्तार 15 दिसंबर को होगा। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह नागपुर में होगा। इसमें 30 से 32 मंत्री शपथ ले सकते हैं। महाराष्ट्र कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत ज्यादा से ज्यादा 43 सदस्य हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि भाजपा को 20-21 मंत्री पद मिलने की संभावना है। जबकि शिवसेना को 11-12 और राष्ट्रवादी कांग्रेस

पार्टी को 9-10 मंत्री पद मिल सकते हैं। संभावित मंत्रियों को शपथ के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस खुद फोन करेंगे। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को कैबिनेट फाइनल करने के लिए डिप्टी ष्टरू एकनाथ शिंदे और अजित पवार से अलग-अलग चर्चा की।

अपनी छवि सुधारने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करेंगे सीएम नीतीश, महिला संवाद यात्रा को लेकर तेजस्वी ने साधा निशाना

बिहार (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महिला संवाद यात्रा में करोड़ो रुपए अपनी छवि सुधारने के लिए खर्च कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रस्तावित महिला संवाद यात्रा को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार की यात्रा में सिर्फ प्रचार-प्रसार और चाय-पानी पर करोड़ों रुपए राज्य सरकार खर्च करने जा

रही है। यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ग्रामीण विकास विभाग की ओर से 20 नवंबर को जारी अधिसूचना की कॉपी साझा की है, जिसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री सीएम नीतीश कुमार के महिला संवाद कार्यक्रम को लेकर बजट की मंजूरी मिली है। इसमें से 104 करोड़ दस लाख 93 हजार रुपए महिला सशक्तिकरण की योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा इन कार्यक्रमों में आने वाली महिलाओं के अल्पाहार और चाय-पानी के लिए 114 करोड़, तीन लाख 27 रुपए का प्रावधान किया गया है।

किसानों ने शंभू बॉर्डर से दिल्ली मार्च टाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर से शनिवार (14 दिसंबर) को दोपहर 12 बजे 101 किसान दिल्ली के लिए रवाना हुए, लेकिन पुलिस ने उन्हें घग्गर नदी पर बने पुल पर की बैरिकेडिंग पर रोक लिया। 40 मिनट तक पुलिस से बहस के बाद किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। जिसमें 10 किसान घायल हुए।

करीब 2 घंटे बाद यानी 2 बजे दिल्ली मार्च को टालते हुए किसानों के जत्थे को वापस बुला लिया गया। किसानों का आरोप है कि पुलिस ने रॉकेट लॉन्चर से बम-गोलियां चलाई। घग्गर नदी का गंदा और केमिकल वाला पानी प्रयोग किया।

किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा

कि 16 दिसंबर को पंजाब को छोड़कर पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च निकाले जाएंगे। 18 दिसंबर को पंजाब में 12 बजे से 3 बजे तक रेल रोको अभियान चलाया जाएगा। 18 दिसंबर तक कोई जत्था दिल्ली कूच नहीं करेगा। इस बीच शंभू बॉर्डर पर किसान ने आत्महत्या की कोशिश की। किसान नेता तेजवीर सिंह ने कहा कि लुधियाना के खन्ना के किसान ने जोध सिंह ने सल्फास निगला है। गंभीर हालत के चलते उन्हें पटियाला के राजेंद्र अस्पताल रेफर कर दिया है। इससे पहले किसानों के मार्च के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने अंबाला जिले के 12 गांवों में इंटरनेट बैन 18 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। खनौरी बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा (नॉन पॉलिटिकल) के नेता जगजीत डल्लेवाल लगातार 19वें दिन आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि डल्लेवाल की सेहत को लेकर पूरा देश चिंतित है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नहीं।

जसप्रीत बुमराह की आवाज स्टंप माइक पर कैद हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में खेला जा रहा है। कप्तान रोहित शर्मा ने ओवरकास्ट कंडीशन को देखते हुए शनिवार को टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों को पिच से कोई खास मदद नहीं मिली। ऐसे में सवाल उठ रहा कि क्या रोहित ने गाबा में टॉस जीतकर गलत फैसला ले लियाष्ट्र वहीं जसप्रीत बुमराह ने पहले दिन स्विंग नहीं मिलने की शिकायत की। उनकी दिल तोड़ने वाली आवाज स्टंप माइक पर कैद हो गई, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है।

वैसे, पहले दिन बारिश के कारण सिर्फ 13.3 ओवर का ही खेल हो सका, जिसमें ऑस्ट्रेलिया का कोई विकेट नहीं गिरा। आखिरी के दो सेशन तो पूरी तरह बारिश में धुल गया। बुमराह ने 6 ओवर में 8 रन दिए। उन्होंने तीन मेडल ओवर डाले। बुमराह ने पांचवें ओवर की शुरुआत में कहा कि, ऊपर लग रहा है। उन्होंने ओवर की सेकेंड लास्ट बॉल पर कहा कि, नहीं हो रहा स्विंग, ऐसे भी। कहीं भी बॉल कराओ। बता दें कि रोहित ने टॉस जीतने के बाद कहा था, यहां थोड़े बादल छाए हुए हैं, थोड़ी घास भी है और ये थोड़ा सॉफ्ट भी लग रहा है। हम परिस्थितियों का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करना चाहते हैं।

स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 28/0 था।

इस साल टी20 क्रिकेट में इन भारतीय बल्लेबाजों ने बिखेरा जलवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वहीं टीम इंडिया के लिए टी20 फॉर्मेट में एक यादगार साल साबित हुआ है। इस साल ने टी20 वर्ल्ड कप जीतने के साथ- अपनी सभी द्विपक्षीय टी20 सीरीज भी अपने नाम की हैं। भारत की इस सफलता के पीछे भारतीय खिलाड़ियों का बड़ा हाथ रहा।

साल 2024 खत्म होने वाला है, ये साल क्रिकेट जगत के लिए बेहतरीन और यादगार रहा है। वहीं टीम इंडिया के लिए टी20 फॉर्मेट में एक यादगार साल साबित हुआ है। इस साल ने टी20 वर्ल्ड कप जीतने के साथ- अपनी सभी द्विपक्षीय टी20 सीरीज भी अपने नाम की हैं। भारत की इस सफलता के पीछे भारतीय खिलाड़ियों का बड़ा हाथ रहा।

संजू सैमसन

संजू सैमसन ने साल 2024 में 13 मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने 12 पारियों में 436 रन बनाए। इसमें 3 शतक और 1 अर्धशतक शामिल थे। इस दौरान संजू सैमसन का स्ट्राइक रेट 180.16 का रहा। इसके साथ ही संजू सैमसन की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल में 3 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। साल 2024 टी20 वर्ल्ड कप में एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला था।

तिलक वर्मा

इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी अगर ये कहा जाए कि साल 2024 टी20 फॉर्मेट में तिलक वर्मा के अपने नाम का परचम लहराया है। उन्होंने इस तरह से बल्लेबाजी की वह खास था। इस साल उन्हें महज 5 मैच खेलने का मौका मिला। लेकिन इन मैचों में अपनी काबिलियत साबित कर दी। तिलक ने 2 शानदार शतक लगाए, जिनमें से उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 120* रन रहा। उनकी बल्लेबाजी औसत 102 की रही और स्ट्राइक रेट भी 187.73 का था, जो कि टी20 फॉर्मेच में शानदार है। इस साल उन्होंने 306 रन बनाए।

रोहित शर्मा

आईसीसी वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतने के बाद टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया। साल 2024 के टी20 सीजन में शानदार प्रदर्शन के मामले में वह तीसरे स्थान पर रहे।

इस साल उन्होंने 11 मैचों में 42 की औसत से 378 रन बनाए, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 160.16 था। 11 मैचों में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121* रन रहा। उन्होंने इस दौरान 1 शतक और 3 अर्धशतक भी लगाए। रोहित शर्मा 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में भारत के सबसे प्रमुख बल्लेबाज के रूप में सामने आए। उन्होंने 8 मैचों में 36.71 की औसत और 156.70 की स्ट्राइक रेट से कुल 257 रन बनाए।

सूर्यकुमार यादव

रोहित शर्मा के टी20 फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद टी20 टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई। सूर्या ने 2024 में 18 मुकाबलों में हिस्सा लिया और 17 पारियों में 26.81 की औसत से 429 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 4 फिफ्टी भई ठोकी और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 75 रन रहा। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने 8 मैचों में 28.42 की औसत और 135.37 की स्ट्राइक रेट से 199 रन बनाए।

हार्दिक पंड्या

वहीं ये साल टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा। 2014 में हार्दिक ने 17 मुकाबले खेले।

उन्होंने 14 पारियों में 352 रन बनाए, जिनमें 6 बार नाबाद रहने का रिकॉर्ड है। उनकी बल्लेबाजी औसत 44 रही, जबकि स्ट्राइक रेट 150.42 की थी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में उन्होंने 8 मैच खेले, जिसमें 6 पारियों में 48 की औसत और 151.57 की स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए।

असम सरकार खेल प्रतिभाओं की पहचान के लिए पहल नहीं कर रही-भोगेश्वर बरुआ

गशिवसागर (असम)। असम के पहले अर्जुन पुरस्कार विजेता धावक भोगेश्वर बरुआ ने राज्य सरकार की खेल नीति की आलोचना करते हुए कहा कि वह ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें पोषित करने के लिए पर्याप्त पहल नहीं कर रही है। एशियाई खेलों (1966) में 800 मीटर में स्वर्ण पदक विजेता बरुआ ने 'पीटीआई' से कहा, ''यह कहते हुए दुख हो रहा है कि असम में कहीं से भी खिलाड़ी नहीं निकल रहे हैं। पहले हम नयी प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए शिविर आयोजित करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।''

इस 84 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि सरकार ने बहुत सारे प्रशिक्षकों को नियुक्त किया है जिन्हें जिलों में ऐसे शिविर आयोजित करने और प्रशिक्षण देने के लिए भेजा जा सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, ''अगर कोई कोचिंग नहीं होगी, तो हम खिलाड़ी कैसे तैयार करेंगेष्ट्र अगर कोई खेल आयोजन होता है, तो बच्चों को सिर्फ भाग लेने के लिए वहां ले जाया जाता है। अगर कोई प्रशिक्षण या शिविर नहीं होगा, तो हमारे बच्चे कैसे प्रगति करेंगेष्ट्र''

डी गुकेश को चैंपियन बनने पर मिली इतनी प्राइज मनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के चैंपियन बने हैं। वहीं गुकेश की उम्र महज 18 साल है और उन्हें इस दौरान जीत हासिल करने पर एक बड़ी प्राइज मनी भी मिली है।

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप की गिनती खेल की दुनिया की सबसे ज्यादा प्राइज मनी वाली चैंपियनशिप में शुमार की जाती है। इस चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले प्लेयर्स के बीच 21 करोड़ रुपये की धनराशि को बांटा जाता है, जिससे इस बार भारत के डी गुकेश को चैंपियनशिप जीतने पर कुल 11.45 करोड़ रुपये मिले हैं, जो यदि आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम से खेलने वाले महेंद्र सिंह धोनी की सैलरी से देखा जाए तो वह काफी ज्यादा है, जिन्हें अगले सीजन के लिए सीएसके ने सिर्फ 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। इसके अलावा चीन के डिंग लिरेन जिनको हार का सामना करना पड़ा उन्हें 9.75 करोड़ रुपये की प्राइज मनी मिली है। चेस के खेल की इंटरनेशनल संस्था फिडे के नियमों के अनुसार फाइनल में खेलने वाले दोनों खिलाड़ियों को यहां तक सफर तय करने के दौरान उन्होंने जितने भी मैच जीते उसकी भी प्राइज मनी दी जाती है। जिसमें डी गुकेश को जो 11.45 करोड़ रुपये प्राइज मनी मिली है उसमें उन्हें फाइनल मुकाबले से मिली जो तीन मैचों में जीत मिली थी।

मुझे भारतीय टीम के लिए मिले मौके को गंवाने का है मलाल, फिर से वापसी कर सकता हूं-पाटीदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रजत पाटीदार का अंतरराष्ट्रीय करियर उस तरह आगे नहीं बढ़ पाया जैसा वह चाहते थे। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पाटीदार छह पारियों में केवल 63 रन बना सके थे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हालांकि रणजी ट्रॉफी के शुरुआती चरण और मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। पाटीदार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल की पूर्व संध्या पर शनिवार को यहां कहा, '' मुझे टेस्ट टीम में जगह बनाकर अच्छा लगा था। मुझे हालांकि कभी-कभी बुरा लगता है कि मैं मौके को भुना नहीं पाया। कभी-कभी चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं और यह ठीक है।''

पाटीदार ने अपनी 'असफलता' स्वीकार कर ली है और उस निराशा को पीछे छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि चीजों को स्वीकार करना सफलता की ओर बढ़ने का पहला कदम है। आपको यह स्वीकार करना होगा कि क्रिकेट यात्रा में असफलता मिलेगी। इसलिए, मेरे लिए इसका सामना करना और इससे सीखना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने इसे स्वीकार कर लिया है और मैं आगे बढ़ रहा हूं। यह खेल का अहम हिस्सा है। मैं मौके को दोबारा बना सकता हूं।'' इस 31 साल के खिलाड़ी ने घरेलू टूर्नामेंटों में लगातार रन बनाकर एक पहला कदम उठा लिया है।

मध्यप्रदेश के कप्तान ने पांच रणजी ट्रॉफी मैचों में 53.37 की औसत से एक शतक और एक अर्धशतक के साथ 427 रन बनाए हैं। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में अजिंक्य रहाणे (432) और बिहार के साकिबुल गनी (353) के बाद तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने नौ मैचों में 182.63 के स्ट्राइक रेट से चार अर्धशतक के साथ 347 रन बनाए हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें वापसी के लिए अपने कौशल पर भरोसा है। पाटीदार ने कहा, ''मैं बल्लेबाजी में अपने मजबूत पक्ष पर भरोसा कर उसी मुताबिक खेलने पर ध्यान दे रहा हूं। मैं बस उसी परिपाटी का पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं जो मैंने आईपीएल में किया था।'' उन्होंने कहा, ''मेरा मंत्र एक समय में एक गेंद खेलना है। मैं अपनी टीम के लिए प्रतिद्वंद्वी पर अपना प्रभाव डालने की कोशिश करता हूं। मैं बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश नहीं करता। मैंने कभी उस पर ध्यान नहीं दिया।''

पाटीदार को उस समय आत्मविश्वास भी मिला जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें आईपीएल नीलामी से पहले बरकरार रखा। फॉफ डुप्लेसी के लिए नीलामी में बोली नहीं लगने के बाद वह टीम की अगुवाई करने की दौड़ में है। उन्होंने कहा, '' आरसीबी के लिए रिटेन (नीलामी से पहले टीम में बरकरार रखना) होने से आत्मविश्वास बढ़ा। आरसीबी एक बड़ी फ्रेंचाइजी है और मुझे आरसीबी के लिए खेलना पसंद है। अगर टीम का नेतृत्व करने का मौका मिलता है तो मुझे खुशी होगी। इस बारे में कोई भी फैसला फ्रेंचाइजी पर निर्भर करता है।'' पाटीदार के सामने हालांकि रविवार को मुंबई के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में टीम को पहली बार खिताब दिलाने की चुनौती है। मध्यप्रदेश की टीम ने इसी स्थल पर दो साल पहले मुंबई को छह विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। इस मैच में पाटीदार ने 122 रन बनाये थे।

गुलबदीन पर असहमति जताने पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर गुलबदीन नैब पर हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने पर शनिवार को मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। अफगानिस्तान ने यह मुकाबला 50 रन से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में कहा, ''अफगानिस्तान के गुलबदीन नैब पर शुक्रवार को हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।''

इसके अनुसार, ''नैब को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने के लिए दंडित किया गया है जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्णय पर असहमति दिखाने से संबंधित है।'' यह घटना जिम्बाब्वे की पारी के 11वें ओवर के दौरान हुई जब कप्तान राशिद खान की गेंद पर ताशिंगा मुसेकीवा के खिलाफ पगबाधा अपील को खारिज कर दिया गया। जुर्माने के अलावा पूर्व अफ़गानिस्तान कप्तान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है जो 24 महीने की अवधि के भीतर उनका पहला अपराध है। क्रिकेटर ने इसे स्वीकार कर लिया जिससे औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी।

ऋषभ पंत की फैन हैं इस ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज की बेटी, खुद बताया कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के फैंस दुनिया भार में हैं। सिर्फ फैंस ही नहीं बल्कि दिग्गज खिलाड़ी भी उनकी प्रतिभा के दिवाने हैं। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी मैथ्यू हेडन की बेटी भी पंत की दिवानी है। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों कोई ऑस्ट्रेलिया नहीं बल्कि भारत के पंच उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं।

बता दें कि, मैथ्यू हेडन की बेटी ग्रेस हेडल भले ही क्रिकेट खेलती न हो लेकि उनका क्रिकेट से कनेक्शन जरूर है। वह स्पोर्ट्स प्रेजेंटर हैं, उन्होंने आईपीएल से लेकर आईसीसी टूर्नामेंट में प्रेजेंटर के तौर पर काम किया है। ग्रेस किसी ऑस्ट्रेलियन को नहीं बल्कि पंत को अपना पसंदीदा क्रिकेटर मानती हैं।

ग्रेस ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि, मुझे लगता है कि उसकी कमबैक स्टोरी कमाल की है। वह आईपीएल में सबसे मंहगा खिलाड़ी रहा था। हमने ये भी देखा उन्होंने किसी तह एक्सीडेंट के बाद वापसी की। ये शानदार है और इसका श्रेय उनको ही दिया जाना चाहिए। उनके लिए वापसी आसान नहीं थी। एक इंसान और प्लेयर के तौर पर उनमें बहुत हिम्मत है। वह एख बहुत प्रेरणादायक खिलाड़ी हैं बेशक मैं ऑस्ट्रेलियन हूं लेकिन मुझे पंत पर बहुत गर्व है। बता दें कि, ग्रेस ने भारत की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि, मुझे भारत बहुत पसंद है। जब मैं बड़ी हो रही थी तब पिता से भारत के बारे में बहुत कुछ सुना था। वह कई मसाल भी लाते थे। मैं हमेशा से भारतीय खाना खाती थी। मुझे दाल रोटी बहुत पसंद है। ऐसे में लोग शुरुआत में जब मुझसे पूछते थे कि क्या तुम्हें भारतीय खाना खाने में दिक्कत हुई। मैं उन्हें यही कहती थी कि ऐसा नहीं हुआ क्योंकि मैं हमेशा से भारतीय खाना खाती थी।

गाबा टेस्ट के दूसरे दिन भी बारिश का होगा खलल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत ने गाबा टेस्ट में टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। हालांकि, शनिवार को मैच के पहले दिन ज्यादातर समय बारिश होती रही। पहले दिन केवल 13.2 ओवर का ही खेल हो सका। दूसरा और तीसरा सेशन तो पूरी तरह बारिश में धुल गया। बारिश ने सबसे पहले छठे ओवर में अड़ंगा लगाया और फिर जब दोबारा खलल डाला तो लंच ब्रेक की जल्द घोषणा कर दी गई। उसके बाद बारिश विलेन बन गई और खिलाड़ी मैदान पर ही नहीं उतर पाए।

गाबा टेस्ट के दूसरे दिन भी बारिश की संभावना है लेकिन पहले दिन की तुलना में कम होगी। एक्यूवेदर के अनुसार, रविवार यानी 15 दिसंबर को ब्रिस्बेन में स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 5.30 बजे) बारिश की उम्मीद

है। हालांकि, दिन के बाकी समय के लिए पूर्वानुमान बेहतर है। भारती समयानुसार दोपहर 1.30 बजे तक खेल के आखिरी पांच घंटों में बारिश की संभावना 51 प्रतिशत से घटकर 47,36 और फिर 20 तक है। लेकिन सुबह की बारिश के बाद पूरे दिन बादल छाए रहने की उम्मीद है।

गाबा टेस्ट का बदल गया समय

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच का पहला दिन बारिश में धुल गया जिसे देखने के लिए फैंस सुबह 6 बजे उठे थे। भारतीय फैंस को अब बचे हुए चार दिन का मैच देखने के लिए और जल्दी उठना होगा। पहले दिन बारिश के बाद मैच की टाइमिंग अब बदल गई है।

टेस्ट मैच में एक दिन में 90 ओवर होते हैं। हालांकि, अब हर दिन कम से कम 98 ओवर का खेल होगा। पहले दिन का खेल सुबह 5.50 बजे से शुरू हुआ। हालांकि, अब अगले चार दिन की मैच की शुरुआत 5.20 बजे से शुरू होगा। हर दिन खेल दोपहर 12.50 बजे खत्म होगा। मैच के बचे हुए चार दिन भी बारिश की संभावना है। ऐसे में अगर दिन में 98 ओवर नहीं डाले जाएंगे तो आखिरी सेशन दोपहर 1.20 बजे तक जा सकता है।

मऊगंज में कलेक्ट्रेट के समीप आयोजित विशाल जनसभा को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

5041 करोड़ की सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनकल्याण पर्व में मऊगंज में कलेक्ट्रेट के समीप आयोजित विशाल जनसभा में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 5041 करोड़ की सीतापुर-हनुमना लिफ्ट इरिगेशन परियोजना का शिलान्यास किया। इस परियोजना से मऊगंज जिले के 400 से अधिक गांवों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने समारोह में 5175 करोड़ रुपए के 57 निर्माण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने खटखरी को नगर परिषद बनाने तथा दो सड़कों के उन्नयन की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने देवतालाब महाविद्यालय में 5 करोड़ रुपए की लागत से स्टेडियम के निर्माण, हनुमना में सिविल अस्पताल बनाने तथा देवतालाब शिव मंदिर में 5 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की।

विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याण अभियान 26 जनवरी तक चलाया जाएगा। अभियान के दौरान प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासन की विकास योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायतों और नगरीय क्षेत्रों में लगाए जाने वाले शिविरों में आमजनता भागीदारी निभाकर योजनाओं का लाभ उठाएं। मऊगंज विकास की दौड़ में पीछे छूट गया था। अब हमारी सरकार ने ही मऊगंज जिले का निर्माण किया। अब हमारी सरकार ही विकास की सौगातें दे रही है। मऊगंज, रीवा और सतना सहित पूरा विन्ध्य क्षेत्र सादगी, सरलता और सद्भाव का क्षेत्र है। भगवान राम ने अपने जीवन के सबसे कठिनवनवास के 11 वर्ष इसी क्षेत्र में चित्रकूट में बिताए।जब हम श्रीराम

और श्रीकृष्ण का नाम लेते हैं तो कई लोगों को आपत्ति होती है। प्रधानमंत्री जी ने नई शिक्षा नीति ने सनातन मूल्यों को समाहित करके शिक्षा को नई दिशा दी है। सनातन मूल्यों का जो विरोध करेगा देश उसके साथ नहीं खड़ा होगा।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हर मांग पूरी की जाएगी। जन कल्याण अभियान में 16100 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की कार्ययोजना पूरे प्रदेश के लिए है। इनमें से अकेले मऊगंज जिले को 5041 करोड़ रुपए की सौगात मिली है। पूरे क्षेत्र में विकास के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। आज ही बाणसागर बांध के बीच स्थित मनोरम सरसी टापू का लोकार्पण हुआ है। इससे क्षेत्र में पर्यटन को गति मिलेगी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दो नदी जोड़ो परियोजनाओं के लिए एक लाख 70 हजार करोड़ रुपए की मंजूरी देकर किसानों को बहुत बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री जी सच्चे अर्थों में आधुनिक भगीरथ हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 60 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की प्रथम किश्त के रूप में 332 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से जारी किए। मुख्यमंत्री ने पोषण आहार योजना के तहत दो गर्भवती तथा धात्री महिलाओं को पोषण आहार से युक्त अक्षय पात्र भेंट किए। मुख्मंत्री ने विभिन्न योजनाओं के 8 हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। कार्यक्रम स्थल में पहुंचने पर मुख्यमंत्री का जनजातीय लोकनृत्य गुदुम बाजा के मधुर स्वरों से स्वागत किया गया। महिलाओं ने पुष्पवर्षा करके लाड़ले मुख्यमंत्री की अगवानी की। मुख्यमंत्री ने गौपूजन करके गौमाता का सम्मान किया और गौ संवर्धन का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने मऊगंज जिले के 100 से अधिक गायों की सेवा कर रहे सौखीलाल यादव को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कन्यापूजन करके बेटियों का सम्मान किया तथा पुलिस बैण्ड की सराहना की। समारोह में मुख्यमंत्री को धातु निर्मित श्रीकृष्ण और राधा की प्रतिमाएं तथा डिजिटल गीता भेंट की गई।

समारोह में विधायक देवतालाब तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने क्षेत्र के विकास की मांग रखते हुए सीतापुर तथा बहुती में पुलिस चौकी निर्माण, बहुती प्रपात में पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं अन्य मांगे रखी। विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल ने मुख्यमंत्री जी का स्वागत करते हुए सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना के शिलान्यास के लिए आभार व्यक्त किया। विधायक श्री पटेल ने कहा कि अब 400 से अधिक गांवों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। विधायक श्री पटेल ने क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न मांगे रखीं। समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, जिले के प्रभारी मंत्री तथा पशुपालन एवं डेयरी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)श्री लखन पटेल, विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, विधायक त्योंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती नीलम सिंह तथा जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र मिश्रा एवं अन्य जनप्रितिनधि उपस्थित रहे। समारोह में कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर अजय श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक रसना ठाकुर, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सपना त्रिपाठी, पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर आज भी आयोजित होंगे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर 15 दिसंबर रविवार को भी आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्देश दिये हैं कि सिरमौर जनपद अन्तर्गत उमरी, त्योंथर के सूती, गंगेव के कदैला, रायपुर कर्चुलियान के सगरा, रीवा के रहट तथा जवा के सितलहा सीएफटी की दो-दो पंचायतों में लोक कल्याण शिविर आयोजित होंगे। कलेक्टर ने जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों तथा शिविर के लिये नियुक्त अधिकारियों को उक्त शिविर में उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने शिविरों में जनप्रतिनधियों को भी आमंत्रित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये हैं।

आज 20 केन्द्रों में होगी लोक सेवा आयोग की पात्रता परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा 15 दिसम्बर को राज्य पात्रता परीक्षा 2024 आयोजित की जा रही है। इसके लिए 20 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 8482 आवेदक परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित की जा रही है। परीक्षा की निगरानी के लिए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अरूण पाण्डेय को संभागीय पर्यवेक्षक बनाया गया है। इस संबंध में परीक्षा प्रभारी तथा संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने बताया कि परीक्षा के लिए महारानी लक्ष्मीबाई कालेज आफ टेक्नालाजी इटौरा बाईपास, सरस्वती हायर सेकण्डरी स्कूल नेहरू नगर, सरस्वती हायर सेकण्डरी स्कूल निराला नगर, कन्या महाविद्यालय कोठी कंपाउण्ड, शासकीय मॉडल साइंस कालेज, सीक्रेट हार्ट कान्वेंट स्कूल स्टेशन रोड तथा बाल भारती स्कूल सिरमौर चौराहा को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। इसी तरह शासकीय मार्तण्ड हायर सेकण्डरी स्कूल क्रमांक एक, मॉडल स्कूल रीवा, पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कालेज करहिया, सीएम राइज पीके स्कूल सिरमौर चौराहा, टीआरएस कालेज, उमादत्त स्मृति हाई स्कूल ढेकहा, गीतांजलि पब्लिक स्कूल सिविल लाइन तथा गवर्मेंट मार्तण्ड स्कूल क्रमांक दो स्टेडियम को भी परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। बीएनपी मेमोरियल स्कूल जेल रोड, गवर्मेंट हायर सेकण्डरी स्कूल गुढ़ चौराहा तथा सरस्वती हायर सेकण्डरी स्कूल धोबिया टंकी को भी परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा प्रभारी ने विश्वविद्यालय मार्ग में स्थापित किये परीक्षा केन्द्रों में शामिल होने छात्रों से अपेक्षा की है कि वह इस मार्ग अत्यंत भीड़ होने के कारण परीक्षा केन्द्र में समय से पूर्व पहुंचे। संभव हो तो विश्वविद्यालय मार्ग के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें ताकि परीक्षा केन्द्र में नियत समय पर पहुंच सके।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरों के आयोजन का सिलसिला जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान 26 जनवरी तक संचालित किया जायेगा। अभियान के तहत शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाये जाने के लिये शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाये जा रहे हैं। शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। विभिन्न विभागों की योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ भी दिलाया जा रहा है। आमजनों को योजनाओं का लाभ लेने व अपनी समस्याओं का निराकरण कराने के लिये विभिन्न माध्यमों से जागरूक भी किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर जनपद पंचायत अन्तर्गत सीएफटी केन्द्रों की ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत हर्दी, कुंइयाखुर्द, रघुराजगढ़ दादर, बहुरीबांध, जोकिहा, चुंआ, रूपौली, खड्डा, बुढ़गवां, मड़वा, बधवा, बिहरा, जोकिहा तथा बहुरीबांध आदि ग्राम पंचायतों में रंगोली डालकर मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। जबकि सिरखिनी, कपसा, हर्दी, पथरहा, पिपरी, भिटौहा, लक्ष्मणपुर, खौर, सिरसा, बांसा, कटकी तथा खौर ग्राम पंचायतों में रैली निकालकर आमजनों को जागरूक किया गया। ग्राम संपर्क टीमों ने गांव में गृह संपर्क कर लोगों को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अन्तर्गत संचालित किये जा रहे शिविरों का लाभ लेने की अपील की तथा पीले चावल देकर लोगों को शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

शीतलहर एवं ठंड से बचाव के लिये आवश्यक व्यवस्था के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कश्मिनर बी.एस. जामोद ने ठण्ड के मौसम में ठण्ड से बचाव के लिये आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कलेक्टर्स से कहा है कि शीत ऋतु प्रारंभ हो गई है। आगामी दिनों में अधिकांश जगहों में सामान्य से न्यूनतम तापमान की संभावना प्रबल है। अतः संभावित शीत लहर के प्रकोप से बचाव तथा लोगों की सुरक्षा की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निम्नानुसार आवश्यक प्रबंध करायें। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी शीत लहर चेतावनी तथा बचाव के उपायों से जन सामान्य को सूचित करने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार तथा अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। बेसहारा एवं बेघर व्यक्ति फुटपाथ/सड़क/मैदान जैसे खुले स्थानों में पाए जाने पर उन्हें रैन बसेरों में शिफ्ट कराने की कार्यवाही की जाए यदि शिफ्ट कराना संभव न हो तो अन्य सुरक्षित स्थानों को चिन्हित कर उनमें उन व्यक्तियों को रखा जाय। रैन बसेरों में पर्याप्त गर्म कपड़े, बिस्तर और कंबल आदि उपलब्ध कराए जाएं इस संबंध में स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। प्रमुख सार्वजनिक स्थानों जैसे बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, पार्क, मुख्य बाजार, आदि पर अलाव जलाने के लिए स्थान चिन्हित किये जाएं तथा अलाव जलाने के लिए आवश्यक सामग्री की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश कमिश्नर ने दिये हैं।

उन्होंने कहा है कि रैन बसेरा एवं अन्य चिन्हित स्थानों पर शीतलहर से बचाव के प्राथमिक उपचार हेतु फर्स्ट एड बाक्स तथा आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था हेतु स्वास्थ्य विभाग को निर्देश जारी किये जाएं।उपरोक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ विशेष टीम का गठन कर रात के समय नियमित रूप से इन प्रमुख स्थानों और रैन बसेरों का निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि अलाव जल रहे हैं, रैन बसेरों में कोई समस्या नहीं है, और कोई व्यक्ति खुले में न सो रहा हो। शीतलहर के प्रकोप को दृष्टिगत चेतावनी अनुसार स्कूल तथा अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन के समय में परिवर्तन हेतु आवश्यकता अनुसार निर्देश जारी किये जाएं। घने कोहरे की स्थिति के दौरान यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाये एवं अग्रिम सुरक्षा उपाय लागू किये जाएं। जिले में स्थित सभी शासकीय चिकित्सालयों में शीतलहर प्रभावितों के उपचार हेतु चिकित्सकों की टीम गठित की जाए तथा शीतघात से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार हेतु दवाइयों के पर्याप्त भण्डारण सुनिश्चित किये जाएं।

मुख्यमंत्री का रीवा एयरपोर्ट में हुआ आत्मीय स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भोपाल से विशेष विमान द्वारा प्रातः रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री जी के साथ पशुपालन एवं डेयरी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं मऊगंज जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल भी रीवा पहुंचे। रीवा एयरपोर्ट में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल विधायक त्योंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी, जिला भाजपा अध्यक्ष रीवा डॉ अजय सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष मऊगंज डॉ राजेंद्र मिश्रा सहित कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, एसपी विवेक सिंह ने मुख्यमंत्री जी का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव एयरपोर्ट रीवा के व्हीआईपी लाउंज में कुछ समय रुकने के उपरांत हेलीकॉप्टर द्वारा सरसी/व्यौहारी के लिए रवाना हो गए।

रीवा में पैरोल पर गया कैदी फरार, जेल अधीक्षक ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई

पुलिस ने जमानतदार को भी बनाया आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के केंद्रीय जेल से पैरोल पर गए बंदी के फरार हो जाने का मामला सामने आया है। जेल की शर्तों के अनुसार दिए गए समय पर बंदी छुट्टी से वापस जेल नहीं लौटा, जिसके बाद जेल अधीक्षक ने बंदी को फरार घोषित कर उसके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फिलहाल फरार बंदी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक सिंगरौली निवासी विष्णु बहादुर सिंह उर्फ पंजाब सिंह को दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा हुई थी, जो रीवा केंद्रीय जेल में बंद था।

जेल के नियमों के अनुसार- उक्त बंदी को 26 नवंबर को पैरोल पर छोड़ा गया था, जिसे 11 दिसंबर को वापस जेल आना था, लेकिन समय अवधि पूरी होने के बाद भी पैरोल पर गया बंदी वापस जेल नहीं लौटा।

एडिशनल एसपी अनिल सोनकर ने बताया कि काफी इंतजार और संपर्क करने के बाद भी जब बंदी जेल वापस नहीं आया तो जेल अधीक्षक ने बंदी को फरार घोषित कर पुलिस थाने में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने फरार हुए बंदी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध करने के साथ-साथ ही जमानतदार को भी आरोपी बनाते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है।

उपार्जन केन्द्रों का किया जा रहा निरीक्षण

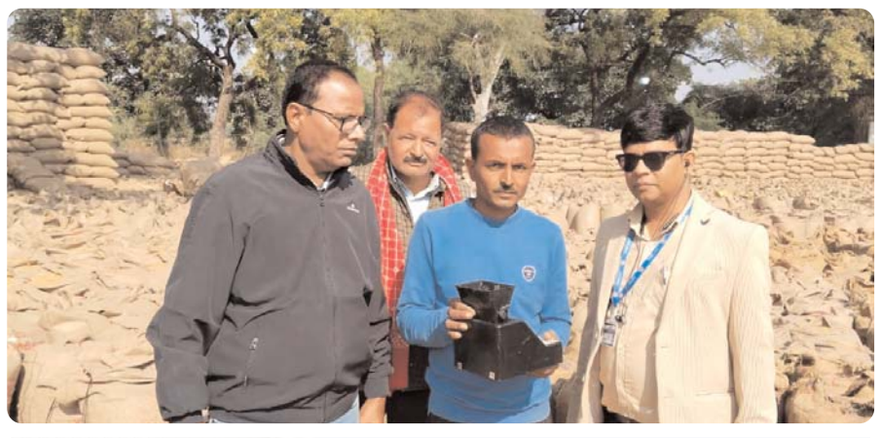

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में समर्थन मूल्य पर उपार्जन केन्द्रों में धान की खरीदी की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर सुव्यवस्थित खरीदी की मानीटरिंग के लिये जिले के समस्त अनुभाग के एसडीएम व संबंधित अधिकारी खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे है।

एसडीएम त्योंथर संजय जैन ने अनुभाग अन्तर्गत संचालित खरीदी केन्द्र अमिलिया, मांगी, सोनौरी, ढ़खरा तथा रायपुर सोनौरी का निरीक्षण कर उपार्जन व्यवस्थाओं की जानकारी ली। एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी एवं संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने विभिन्न खरीदी केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने जोगिनहाई खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने तुलाई, स्लॉट की उपलब्धता सहित किसानों को सुविधा के लिये पानी, छाया, अलाव, प्रकाश व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने निर्देश दिये हैं कि खरीदी केन्द्रों में किसानों से उसी दिन खरीदी की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाय। जिस दिन वह धान बेंचने आते हैं।

मुख्यमंत्री ने मऊगंज में हितग्राहियों को किया हितलाभ का वितरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मऊगंज कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित विशाल जनसभा में विभिन्न हितग्राहियों को शासन की योजनाओं के हितलाभ का वितरण किया। इस जनकल्याण अभियान के तहत 8 हितग्राहियों को समारोह में प्रतीक स्वरूप हितलाभ का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने समारोह में छात्रा कुमारी ज्योति साकेत को निःशुल्क साइकिल तथा किसान हरिशंकर द्विवेदी को किसान क्रेडिट कार्ड में 4.90 लाख रुपए की ऋण राशि वितरित की। स्वरोजगारी प्रमोद कुमार कुशवाहा को उद्यम क्रांति योजना के तहत 12 लाख 50 हजार रुपए की ऋण राशि प्रदान की गई। समारोह में श्री रामनिहोर शर्मा को स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। समारोह में श्रीमती वंदना चतुर्वेदी को अनुग्रह सहायता राशि तथा श्रीमती कविता साकेत को खाद्य सुरक्षा योजना के तहत निःशुल्क खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए पात्रता पर्ची का वितरण किया गया। समारोह में उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, मऊगंज जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल सहित विधायकगण, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मऊगंज में आयोजित स्वास्थ्य शिविर 679 मरीजों की हुई जाँच

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनकल्याण अभियान के तहत मऊगंज जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 679 व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जाँच की गई। शिविर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की गई। जिसमें सर्जरी के लिए 18 बच्चों का चिन्हांकन किया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विवेक त्रिपाठी द्वारा हृदय रोग के 52 बच्चों का चिन्हांकन किया गया। शिविर में जाँच के दौरान तीन मोतियाबिंद के 3 रोगियों का भी चिन्हांकन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 70 वर्ष से अधिक व्यक्तियों के 32 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। रोग से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए निर्धारित अस्पतालों में रेफर किया गया। शिविर में नाक, कान, गला सहित अन्य रोग से पीड़ित व्यक्तियों की भी जाँच की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन करके लोगों को विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में डॉ नफीस खान, गोविंद मीणा तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।